पेज. 4 जिला तैराकी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों दिखाया

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा (पवन)

नीमच, बुधवार

3 जुलाई 2024

वर्ष 02, अंक 14, - मूल्य 02 रूपए

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 71,936 Silver 93,550 Crude Oil 6,203 Natural Gas 240.90 Aluminium 242.95 Copper 881.15

खास खबर

जाजू छात्रावास में प्रवेश प्रारम्भ

नीमच। श्री सीताराम जाजू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नवीन प्रवेश प्रारम्भ हो चुके हैं। इस महाविद्यालय के छात्रावास में 50 सीटें हैं। जनभागीदारी अध्यक्ष श्री विजय बाफ्ना एवं सचिव डॉ0 एन.के.डबकरा ने बताया कि इस महाविद्यालय की छात्राओं का छात्रावास में प्रवेश प्रारम्भ हो चुका है। जनभागीदारी समिति की बैठक में पारित प्रस्ताव के अनुसार जनभागीदारी मद से संचालित इस छात्रावास में कुछ सीटों पर नीमच के किसी भी महाविद्यालय में अध्ययनरत् छात्राओं को प्रवेश दिया जा सकता है। पहले आओ पहले पाओ के आधार पर जो पहले आवेदन करेंगी उन्हें सीट दी जाएगी। इस महाविद्यालय के छात्रावास प्रभारी डॉ0 रश्मि हरित से सम्पर्क कर आवेदन कर सकते हैं।

एसडीआरएफ टीम द्वारा बाढ़ राहत एवं आपदा प्रबंधन की मॉक ड्रिल

नीमचं। कलेक्टर दिनेश जैन एसपी अंकित जायसवाल जिला पंचायत सीईओ गुरु प्रसाद एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड की उपस्थिति में बुधवार को रामपुरा में गांधी सागर जलाशय के किनारे एसडीआरएफ की टीम नीमच द्वारा बाढ़ राहत एवं आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल की गई इस मौके पर जिला होमगार्ड नीमच द्वारा बाढ़ एवं आपदा की स्थिति में उपयोग में आने वाली बाढ़ राहत सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई और ग्रामीणों को घरेलू सामग्री से बाढ़ एवं एवं आपदा से बचाव के लिए उपकरण तैयार करने के बारे में बताया।

इस दौरान एसडीम पवन बारिया एसडीओपी विमलेश उईके, जनपद सीईओअरविंद डामोर तहसीलदार मुकेश निगम एवं अन्य अधिकारी नगरी निकायों के अधिकारी कर्मचारी डूब क्षेत्र के गांव के कोटवार एवं सरपंच एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

पट्टे की शासकीय जमीन पर दबंगों ने बाहुबल से किया कब्जा

नीमच। जिले की मनासा तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम खेड़ाकुशालपूरा में 30 साल से पट्टे की शाश्किय 6 बीघा भूमि पर काबिज चौधरी परिवार व गुजर परिवार के बीच उक्त भूमि को लेकर विवाद हो रहा है।

दोनों पक्षों में मारपीट का मामला भी सामने आया है जहाँ गुजर परिवार के लोगों ने उक्त शासकीय भूमि पर बाहु बल के दम पर कब्जा भी कर लिया है। और चौधरी परिवार को जमीन से बेदखल कर दिया।

उक्त मामले में न्याय व जमीन से विपक्षी कंवरलाल पिता भगत राम गुर्जर,संपत बाई पति कंवरलाल गुर्जर,अर्जुन पिता कंवरलाल गुर्जर, गोवर्धन पिता नाथूलाल गुर्जर दिनेश पिता रामनारायण गुर्जर के कब्जे से उक्त भूमि मुक्त कराने व उपरोक्त लोगों पर कार्यवाही की मांग को लेकर मंगलवार को प्रकाश पिता नंदलाल चैधरी जाति कलाल अपने परिवार सहित कलेक्टर कार्यालय के मुख्य द्वार पर अनशन पर बैठ गया। इसके पूर्व उसने कलेक्टर की जनसुनवाई में एक आवेदन प्रस्तुत किया था जिसमें बताया गया था कि उपरोक्त गुजरात परिवार के लोग आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और उनके खिलाफ न्यायालय में कई प्रकरण विचाराधीन है।

उपरोक्त लोगों ने गांव की सर्वे नंबर 124 रकबा 6 बीघा भूमि जिस पर विगत 30 सालों से हमारा कब्जा है और हम उसे पर खेती करते आए हैं बाहुबल और हथियारों के दम पर गुप्त भूमि पर जबरन कब्जा कर हमें भूमि से बेदखल कर दिया है दिए गए ज्ञापन में मांग की गई है कि उपरोक्त भूमि से गुर्जर परिवार का कब्जा हटाकर उन पर उचित और वैधानिक कार्रवाई की जाकर जमीन पुणे हमें दी जाए।

मामले को लेकर पूर्व में भी कई बार आवेदन दिए गए परंतु कोई सुनवाई नहीं होने की दशा में प्रकाश चंद चौधरी पूरे परिवार सहित कलेक्टर परिसर में करने पर बैठा है।

यूपी के हाथरस में हुआ सत्संग के दौरान हुआ बड़ा हादसा

धक्का-मुक्की... एक के ऊपर एक गिरे लोग, चली गई 121 की जान

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस में मंगलवार को सत्संग के दौरान भगदड़ मचने से लाशों का अंबार लग गया है. अब तक 121 लोगों की जान चली गई है. यह आंकड़ा बढ़ सकता है. सरकारी अस्पताल के अंदर बर्फ की सिल्लियों पर सैकड़ाभर शव पड़े हुए हैं. पोस्टमॉर्टम के बाद इन शवों को परिजनों को सौंपा जा रहा है. उसके बाद अंतिम संस्कार होगा. हादसे के बाद सुख के सपने दिखाने वाला बाबा फरार है. 24 घंटे बाद भी पुलिस उस तक नहीं पहुंच सकी है.

यूपी के हाथरस में भगदड़ मची और 121 लोगों की मौत हो गई. सवाल उठ रहा है कि इस हादसे का गुनहगार कौन है? सत्संग के आयोजक से लेकर प्रशासन तक कठघरे में खड़ा है. 24 घंटे बाद भी घटना के गुनहगार फरार हैं. खुद बाबा नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा लापता है. उसके बारे में किसी को कोई खबर नहीं है. मुख्य सेवादार और आयोजन समिति का प्रभारी देव प्रकाश का मधुकर भी अब तक पुलिस के हाथ नहीं आया है. पुलिस एफआईआर में देव प्रकाश को मुख्य आरोपी बनाया गया है. घटना सिकंदराराऊ क्षेत्र के फुलराई गांव की है. यहां मानव मंगल मिलन सद्भावना समिति ने 150 बीघा के खुले मैदान (खेत) में सत्संग आयोजित किया था. पुलिस एफआईआर के अनुसार, 80 हजार लोगों के कार्यक्रम में शामिल होने की अनुमति ली गई और तीन गुना ज्यादा यानी ढाई लाख लोगों की भीड़ जुटा ली गई. व्यवस्थाएं भी खुद बाबा के सेवादार और आयोजन समिति से जुड़े लोग संभाले हैं. पुलिस के सिर्फ 40 जवान मौके पर थे. जो लोग मारे गए हैं, वे धार्मिक उपदेशक भोले बाबा के (सत्संग) में शामिल होने पहुंचे थे. फिलहाल, सरकारी अस्पताल के अंदर बर्फ की सिल्लियों पर शव पड़े हुए हैं. पीड़ितों के रिश्तेदार रोते-बिलखते देखे जा रहे हैं. ये लोग शवों को घर वापस ले जाने के लिए अस्पताल के बाहर इंतजार कर रहे हैं. एफआईआर में बाबा को आरोपी नहीं बनाया गया है. मुख्य आरोपी आयोजक और सेवादार देवप्रकाश मधुकर है..दूसरे नंबर पर अन्य आयोजक और अन्य सेवादार आरोपी हैं. किसी का नाम नहीं है. देवप्रकाश सिकंदराराऊ का रहने वाला है. आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105, 110, 126 (2), 223, 238 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है. सवाल है कि इस हादसे के लिए कौन जिम्मेदार है? कैसे 80 हजार की इजाजत में 2.5 लाख लोग आ गए? क्या प्रशासन को इसकी भनक नहीं थी. क्या ऐसे हादसे का इंतजार किया जा रहा था? कहां हैं बाबा नारायण साकार हरि? मंगलवार को भगदड़ के बाद से कहा जा रहा है कि बाबा भूमिगत हैं. यानी वो कहां हैं, इसके बारे में पुलिस को कुछ नहीं पता है. मैनपुरी में (राम कुटीर चैरिटेबल ट्रस्ट) आश्रम में पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया है. वहां जांच जारी है. मंगलवार रात पुलिस मैनपुरी आश्रम पर नारायण साकार हरि की तलाश में पहुंची थी, लेकिन डीएसपी सुनील कुमार सिंह के मुताबिक, वहां बाबा नहीं मिले. पुलिस के पहुंचने के थोड़ी देर पहले आजतक ने आश्रम के सेवादार से बात की थी. सेवादार का कहना है कि बाबा के फरार होने की गलत खबरें फैलाई जा रही हैं. बाबा आश्रम में ही हैं. मैनपुरी के डीमसपी सुनील कुमार सिंह कहते हैं कि हमें परिसर के अंदर बाबा नहीं मिले. वे यहां नहीं हैं.

बाबा का मैनपुरी के बिछवा में ये आश्रम 30 एकड़ में फैला हुआ है. नारायण साकार हरि यहां साप्ताहिक सभाएं आयोजित करते हैं, जिसमें काफी भीड़ उमड़ती है.

आज आगरा में होना था बाबा का सत्संग बाबा एटा जिले के बहादुरनगर गांव के रहने वाले हैं. बाबा का असली नाम सूरजपाल है. पहले पुलिस की नौकरी की. लेकिन जब मन नहीं लगा तो नौकरी छोड़ दी और सत्संग करने लगे. बाबा का एक आश्रम बहादुर नगर में भी है और यहां प्रतिदिन हजारों भक्त पहुंचते हैं. उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और मध्य प्रदेश में भी बाबा के बड़ी संख्या में अनुयायी हैं. बाबा और उनके अनुयायी सोशल मीडिया से दूरी बनाकर चलते हैं. बाबा नारायण साकार हरि का आज आगरा में भी सत्संग होना था. नारायण साकार के कासगंज के पास घर है. घटना के एक चश्मदीद का बयान आया है. उसने बताया कि भगदड़ के बाद से कई लोग गायब हैं. प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं है.

हाथरस कांड के 17 गुनहगार कौन हैं? सत्संग कार्यक्रम की ड्यूटी शीट है. मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर सत्संग प्रभारी था और उसी ने पूरे आयोजन के लिए 17 सदस्यीय कोर कमेटी गठित की थी. इस कमेटी में शामिल लोग ही अलग-अलग जिम्मेदारियां संभाल रहे थे. घटना के बाद से देव प्रकाश फरार है. पुलिस उसे पकड़ने की कोशिश कर रही है. देव प्रकाश के साथ कमेटी में शामिल दो-तीन अन्य सदस्य भी फरार हैं.

सूत्रों का कहना है कि पुलिस भगदड़ की ना सिर्फ वजह जानने में जुटी है, बल्कि आयोजन की खामियां भी चिह्नित कर रही है. इसके अलावा, कमेटी में जिन 17 सदस्यों को जिम्मेदारियां दी गई थीं, उनकी भूमिका के बारे में भी पता कर रही है. पुलिस की जांच सबूतों को नष्ट करने में संभावित संलिप्तता के इर्द-गिर्द भी घूम रही है. एफआईआर में भी इसका जिक्र किया गया है.

वृक्ष बिना न पानी बरसे, बिन पानी सब प्राणी तरसें

पर्यावरण मित्रों ने धनवंतरी वाटिका में किए 51 पोंधे रोपित

नीमच। वृक्ष बिना जीवन संभव नहीं है, पर्यावरण संरक्षण प्राणी जगत के लिए आवश्यक है इसी उद्देश्य को लेकर संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था विगत 10 वर्षों से निरन्तर अभियान चला कर शहर से गांव तक चहुंओर पोंधे रोपित कर पेड़ बनाने के कार्य में जुटी हुई है।

संस्था संरक्षक नवीन अग्रवाल ने बताया कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बढ़ती आबादीकरण, विकास की अंधाधुंध में स्वार्थ की खातिर चहुंओर हरे भरे लहलहाते पेड़ों को निर्दयतापूर्वक काटा जा रहा है इससे वातावरण तो दुषित हो रहा है। साथ ही जलवायु परिवर्तन ग्लोबल वार्मिंग जैसी घटनाएं मानव जीवन के लिए घातक सिद्ध हो रही है, संस्था अध्यक्ष किशोर बागड़ी ने बताया कि प्रकृति ने हमें जीवन जीने के लिए सब कुछ दिया है बदलें में हम सभी प्रकृति को संवारने के बजाय उजाड़ने में लगे हैं जो प्राणी जगत के लिए ख़तरनाक साबित हो सकता है, ग्रीष्म ऋतु में हम सभी ने भीषण गर्मी 40 से 50 डिग्री सेल्सियस प्रकृति की चेतावनी है इससे हम सभी को सबक़ लेकर इस वर्षाकाल में वृहद स्तर पर अधिक से अधिक पोंधे रोपित कर पेड़ बनाने के कार्य में जुटना होगा ताकि आने वाले समय में तपतपाती लू की लपटो से बचा जा सके, प्रकृति ने हमें जो दिया है उसका कर्ज पेड़ पौधे लगाकर हम सभी को चुकाना होगा।

इस अवसर पर संस्था सचिव डॉ राकेश वर्मा ने बताया कि संस्था सदस्यों द्वारा सोमवार दिनांक 2 जुलाई को प्रात: 7 से 10 बजे तक 3 घंटे श्रमदान कर गांधी नगर स्थित ग्रीन बेल्ट पार्ट एक में धनवंतरी वाटिका में 51 पोंधे रोपित किए इस अवसर पर संस्था संरक्षक नवीन अग्रवाल, अध्यक्ष किशोर बागड़ी, सचिव डॉ राकेश वर्मा, कोषाध्यक्ष रमेश मोरे, मनीष काठेंड आदि ने श्रमदान कर पोंधे रोपित करने में सहभागिता निभाई, उक्त जानकारी संस्था प्रवक्ता डॉ राकेश वर्मा ने दी है।

संभागायुक्त संजय गुप्ता ने किया नीमच में मेडिकल कालेज के भवन का निरीक्षण

नीमच। सम्भागायुक्त उज्जैन संजय गुप्ता ने मंगलवार को नीमच प्रवास के दौरान नीमच में 256 करोड की लागत से नवनिर्मित श्री वीरेंद्र कुमार सखलेचा शा.चिकित्सा महाविद्यालय भवन का निरीक्षण कर, निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।

इस मौके पर कलेक्टर श्री दिनेश जैन, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद, सिविल सर्जन डॉ.मेहन्द्र पाटिल, मेडिकल कॉलेज के डीन एवं अन्य प्राध्यापकगण व अधिकारी उपस्थित थे।

सम्भागायुक्त श्री संजय गुप्ता ने नीमच के मेडिकल कॉलेज भवन के निरीक्षण दौरान प्रशासनिक भवन, अध्यापन कक्ष, डीन कक्ष, स्टाफ रूम, बालक एवं बालिका कामन कक्ष, चिकित?सा शिक्षा ईकाई, प्राध्यापक कक्ष, आई.टी.सर्वर कक्ष का निरीक्षण किया एवं मेडिकल कॉलेज भवन में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। सम्भागायुक्त श्री गुप्ता ने उपस्थित कॉलेज के स्टाफ एवं अधिकारियों से शेष कार्य को शीघ्र पूरा करवाने के निर्देश देते हुए कहा, कि प्रयास किए जाए, कि इसी सत्र में मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा विद्यार्थियों का प्रवेश हो जाए और उनका अध्यापन कार्य प्रारंभ हो।

सम्भागायुक्त ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी नीमच को जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर शिविर लगाकर, मरीजों को उपचार के लिए मेडिकल कालेज से सम्बद्ध करने के निर्देश भी दिए। सम्भागायुक्त श्री गुप्ता ने मेडिकल कालेज को नीमच जिलेवासियों के लिए एक बडी उपलब्धी बताते हुए कहा, कि इससे नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं स्थानीय स्तर पर सहजता से उपलब्ध हो सकेगी।

एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत संभागायुक्त श्री गुप्ता ने नीमच में किया पौधारापेण

नीमच 02 जुलाई 2024,संभागायुक्त उज्जैन श्री संजय गुप्ता ने मंगलवार को कलेक्टोरेट परिसर नीमच में एक पौधा मॉ के नाम अभियान के तहत चम्पा का पौधा रोपा। इस मौके पर कलेक्टर श्री दिनेश जैन, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, उप संचालक उद्यानिकी श्री अंतरसिह कन्नौजी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सम्भागायुक्त श्री संजय गुप्ता ने कहा कि एक पौधा मां के नाम अभियान अंतर्गत जिले में व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया जाए। साथ ही एक पौधा मां के नाम सेल्फीलेकर अपलोड भी करें। इसके लिए लिंक सभी को उपलब्ध कराएं तथा फोटो कैसे अपलोड किया जाएं उसकी प्रक्रिया भी बताएं। पौधा लगाने के पश्चात सेल्फी के साथ उसे रजिस्टर्ड जरूर करें। सेल्फी के साथ में मां अथवा उनकी तस्वीर भी रखे।

रोटरी क्लब नीमच कैंट द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर सम्पन्न

नीमच। रोटरी क्लब नीमच कैंट ने अपने सत्र के पहले दिन रक्तदान का शिविर रेड क्रॉस ब्लड बैंक जिला चिकित्सालय में 39 यूनिट ब्लड प्राप्त किए। इस अवसर पर रोटरी क्लब इंटरनेटनल डिस्ट्रिक 3040 के सहायक मंडला अध्यक्ष आशीष गर्ग ने पहला रक्तदान कर शिविर का शुभारंभ किया और इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा रक्तदान महादान है किसी के परिजन को रक्त की आवश्यकता पड़ती उसेसे इसका महत्व पूछो रक्तदान सबसे बड़ा दान है । रक्तदान से कभी भी हमारा रक्त कम नही होता हर स्वस्थ इंसान को रक्तदान करना चाहिए। इस शिविर में महिलाओं ने भी हिस्सा लिया इस अवसर पर क्लब से ओम प्रकाश काबरा, कांतिलाल भंसाली, अनिल माहेश्वरी, अनिल दरक, निर्मल दरक, प्रमोद गुप्ता, विष्णु ऐनिया, उपस्थित थे। उक्त जानकारी क्लब अध्यक्ष सन्देश माहेश्वरी व शिविर कोर्डिनेटर प्रदीप ओसवाल द्वारा दी गई।

जाजू कॉलेज में दीक्षारंभ का दूसरा दिवस संपन्न

नीमच। 2 जुलाई को श्री सीताराम जाजू शासकीय कन्या महाविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम विभिन्न परिचयात्मक जानकारीयों के साथ संपन्न हुआ। आइस ब्रेकिंग कार्यक्रम में सभी छात्रों ने बेबाकी से अपना अपना परिचय दिया। आज के कार्यक्रम में डॉ. बीना चौधरी ने नई शिक्षा नीति के बारे में विस्तृत जानकारी दी, डॉ. विजया वधवा ने शैक्षणिक अभिविन्यास की जानकारी दी, डॉ. अंकिता दीक्षित ने ग्रंथालय की जानकारी व ई-ग्रंथालय की प्रक्रिया से परिचित कराया, डॉ. रश्मि हरित ने गृह विज्ञान की जानकारी देते हुए विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम व कैरियर अवसरों के बारे में बताया, डॉ. देवेश सागर व रश्मि वर्मा ने छात्रवृति संबंधी जानकारी प्रदान की व डॉ. आर.के. पेंसिया व प्रो. सुनील कुमावत ने प्रयोगशाला में भौतिकी की जानकारी दी सुश्री तन्वी सक्सेना ने मनोविज्ञान प्रयोगशाला से छात्राओं को परिचित कराया।

प्राचार्य डॉ एन. के. डबकरा ने छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुए बताया कि सभी कल के टैलेंट हंट कार्यक्रम में अपनी प्रतिभा व कौशल के अनुसार तैयारी कर कार्यक्रम में सहभागिता करें। आज के कार्यक्रम में छात्राओं के साथ-साथ श्रीमती संगीता शर्मा, सुश्री माधुरी सोनी, डॉ0 रेखा पवार, श्रीमती ज्योति डूंगरवाल व अन्य स्टाफ भी मौजूद थे।

अब से सुप्रीम कोर्ट में तीन वर्ष के भीतर मिलेगा न्याय, गृह मंत्री अमित शाह ने तीन नए कानूनों को लेकर समझाया

नई दिल्ली। तीनों नए आपराधिक कानूनों को पास कराने पर फैलाए जा रहे भ्रम को खारिज करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि आजादी के बाद सबसे अधिक विचार-विमर्श इन्हीं कानूनों को लेकर हुआ है। उन्होंने संसद में पर्याप्त चर्चा नहीं होने के विपक्ष के आरोपों का खारिज करते हुए बताया कि लोकसभा में 9.29 घंटे और राज्यसभा में 6.17 घंटे चर्चा के बाद इन्हें पास किया गया। इसके पहले चार वर्षों तक अलग-अलग स्टेकहोल्डर्स के साथ चर्चा की गई।

नए कानूनों पर सरकार कर रही विचार

सरकार अभी भी किसी नए सुझाव पर विचार करने को तैयार है। नए कानूनों में त्वरित ट्रायल के प्रविधान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पूरी तरह लागू होने के बाद नए कानूनों के तहत तीन वर्ष में सुप्रीम कोर्ट तक से सजा सुनिश्चित की जा सकेगी। शाह के अनुसार, नए कानून के तहत पहला केस रात 12.10 बजे ग्वालियर के एक थाने में मोटर साइकिल चोरी का दर्ज किया गया।अमित शाह के अनुसार, तीनों कानूनों में से भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तो 30 जून और एक जुलाई की रात 12 बजे से लागू हो गई है।

वहीं, भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत जांच सुनिश्चित करने के लिए आधारभूत संरचना और प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने का काम पूरी गति से चल रहा है। नए कानून के तहत सात वर्ष से अधिक सजा के मामले में फोरेंसिक जांच अनिवार्य है। इसी तरह से ई-बयान और ई-पेशी का भी प्रविधान है। जैसे-जैसे आधारभूत संरचना का निर्माण होता जाएगा, थाने, जिले और राज्य को पूरी तरह से नए कानूनों पर चलने की घोषणा की जाती रहेगी।

तीन साल में देशभर में लागू होंगे कानून

उनके अनुसार, अगले तीन-चार वर्ष में देशभर में तीनों कानून पूरी तरह से लागू हो जाएंगे। इससे 90 प्रतिशत से अधिक मामलों में आरोपितों को सजा सुनिश्चित की जा सकेगी। हिंदी भाषा में कानूनी शब्दावलियों के प्रयोग पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन की आपत्ति के बारे में शाह ने कहा कि तीनों कानून संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 24 भाषाओं में उपलब्ध होंगे। इसके बावजूद यदि किसी का कोई सुझाव है तो वह उस पर विचार को तैयार हैं।

नए कानूनों से क्या बदलेगा?

उन्होंने कहा कि पहली बार 140 करोड़ भारतीयों को दंड के बजाय न्याय आधारित आपराधिक न्यायिक प्रणाली मिल रही है। इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए और न ही भ्रम फैलाया जाना चाहिए। नए कानून में आरोपित के 60 दिन की पुलिस हिरासत के प्रविधान को गलत बताते हुए उन्होंने कहा कि इसमें आरोपित की 15 दिन की पुलिस हिरासत का ही प्रविधान है, जैसा पुराने कानून में था।

पुलिस 60 दिन के भीतर आरोपित की कभी भी 15 दिन के लिए रिमांड मांग कर सकती है। नए कानूनों को लागू करने के लिए 22.5 लाख पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग दी गई है और 23 हजार से अधिक मास्टर ट्रेनर तैयार किए गए हैं। इसी तरह 21 हजार से अधिक सब-आर्डिनेट ज्यूडिशियरी और 20 हजार लोक अभियोजकों को भी ट्रेनिंग दी गई है। फोरेंसिक में भी 4,000 से अधिक विशेषज्ञों को ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

हीरो बनने का मौका, पूर्व खिलाड़ी ने दिया विराट कोहली को सुझाव, 2011 वर्ल्ड कप में धोनी के प्रदर्शन से बताई समानता

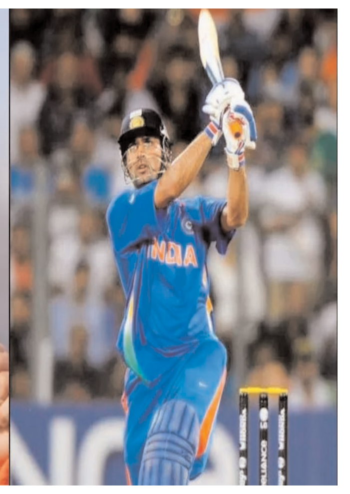

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। भारत दूसरी बार तो अफ्रीका पहली बार वर्ल्ड कप जीतने की कोशिश करेगा। भारतीय समयानुसार यह मैच रात 8 बजे से खेला जाएगा। दोनों ही टीमें शानदार फॉर्म में हैं। हालांकि विराट कोहली की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है।

नई दिल्ली। विराट कोहली का टी20 विश्व कप 2024 में अभी तक का प्रदर्शन शानदार नहीं रहा है। उनके बल्ले से सात मैच में कुल 75 रन ही निकले हैं। उनके मौजूदा फॉर्म को लेकर क्रिकेट जगत में आलोचनाएं हो रही हैं। ऐसे में पूर्व भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने विराट कोहली को खास सलाह दी है। उन्होंने कहा कि विराट के पास एमएस धोनी की तरह हीरो बनने का शानदार मौका है।

अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कोहली को एमएस धोनी और 2011 वनडे विश्व कप फाइनल में उनकी शानदार पारी की याद दिलाई। कैफ ने याद दिलाया कि कोहली की तरह धोनी भी विश्व कप टूर्नामेंट के दौरान अपनी फॉर्म हासिल करने के लिए संघर्ष करते रहे थे। फाइनल में उन्होंने नाबाद 91 रन बनाए, जिसमें वानखेड़े स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ भारत ने जीत दर्ज की।

कैफ ने कहा- हीरो बनने का मौका

कैफ ने कहा, महेंद्र सिंह धोनी 2011 के वनडे विश्व कप में फॉर्म में नहीं थे। उन्होंने फाइनल में नाबाद 91 रन की पारी खेली। कुलसेकरा की गेंद पर लॉन्ग ऑन पर लगाया गया उनका छक्का सभी के दिमाग में बसा हुआ है। इसलिए मुझे लगता है कि विराट कोहली के पास हीरो बनने का बेहतरीन मौका है। उन्हें यह भूल जाना चाहिए कि वह खराब फॉर्म में हैं। विराट कोहली ये हीरो बनने का मौका है।

टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में बनाए हैं सबसे ज्यादा रन

टी20 विश्व कप के इतिहास में कोहली (1216) सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जबकि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा उनसे सिर्फ पांच रन पीछे हैं। हालांकि, भारत के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली ने टूर्नामेंट के इतिहास में छह मुकाबलों में अपना सबसे खराब विश्व कप प्रदर्शन किया है। 29 जून को भारत की नजर दूसरी बार टी20 विश्व कप जीतने पर होगी। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका की नजर पहली बार मेंस विश्व कप जीतने पर होगी।

शार्क टैंक वाली नमिता थापर की एमक्योर फार्मा ला रही IPO,, जानिए प्राइस बैंड से लेकर GMP तक पूरी डिटेल

Emcure Pharma IPO का प्राइस बैंड 960-1008 रुपये प्रति शेयर है। एक लॉट में 14 शेयर है। इसका मतलब है कि आपको एमक्योर फार्मा के आईपीओ में निवेश करने के लिए अपर प्राइस बैंड के हिसाब से कम से कम 14112 रुपये लगाने होंगे। शेयरों का अलॉटमेंट 8 जुलाई को होगा। लिस्टिंग 10 जुलाई को होगी। कंपनी आईपीओ से मिली रकम का इस्तेमाल कर्ज कम करने के लिए करेगी।

नई दिल्ली। चर्चित बिजनेस टीवी शो- शार्क टैंक इंडिया में बतौर जज नजर आने वाली नमिता थापर की कंपनी एमक्योर फार्मा अपना आईपीओ ला रही है। यह इश्यू 1,952.03 करोड़ रुपये का है, जो 3 जुलाई को खुलेगा और इसे 5 जुलाई तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा। यह भारती हेक्साकॉम (4,275 करोड़ रुपये), आधार हाउसिंग (3,000 करोड़ रुपये) और गो डिजिट (2,614 करोड़ रुपये) के बाद 2024 का चौथा सबसे बड़ा आईपीओ होगा।

कितना है आईपीओ का प्राइस बैंड?

Emcure Pharma IPO का प्राइस बैंड 960-1,008 रुपये प्रति शेयर है। एक लॉट में 14 शेयर है। इसका मतलब है कि आपको एमक्योर फार्मा के आईपीओ में निवेश करने के लिए अपर प्राइस बैंड के हिसाब से कम से कम 14,112 रुपये लगाने होंगे। शेयरों का अलॉटमेंट 8 जुलाई को होगा। शेयर मार्केट में लिस्टिंग 10 जुलाई को होगी। कंपनी आईपीओ से मिली रकम का इस्तेमाल कर्ज कम करने और कामकाजी खर्च चलाने के लिए करेगी।

कितना मिल सकता है मुनाफा?

नमिता थापर की कंपनी का ग्रे मार्केट प्रीमियम (GMP) अच्छी कमाई का संकेत दे रहा है। एमक्योर फार्मा का आईपीओ का तरक्क करीब 270 रुपये प्रति शेयर चल रहा है।

इस हिसाब से एमक्योर फार्मा की लिस्टिंग 1278 रुपये पर हो सकती है। इसका मतलब कि निवेशकों को 26.79 फीसदी का लिस्टिंग गेन मिल सकता है।

क्या करती है एमक्योर फार्मा?

एमक्योर फार्मास्युटिकल्स की नींव 1981 में पड़ी। यह दवाओं का मैन्युफैक्चरिंग करने के साथ देश और विदेश में उसकी बिक्री करती है। देश में इसके 13 दवा मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी हैं।

एमक्योर फार्मा के सीएमडी सतीश मेहता हैं। नमिता थापर उन्हीं की बेटी और कंपनी की एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर हैं। अगर वित्तीय सेहत की बात करें, तो 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में एमक्योर फार्मा का रेवेन्यू 6,715.24 करोड़ रुपये रहा।

सरकारी कर्मचारियों के लिए गुड न्यूज-अब नहीं कटेगा ये चार्ज, बढ़ जाएगी इन-हैंड सैलरी

EPFO ने अपना नया आदेश 21 जून 2024 को जारी किया था। इसमें बताया गया कि अब 1 सितंबर 2013 के बाद EPFO में शामिल होने वाले कर्मचारियों के वेतन से GIS के लिए पैसा नहीं काटा जाएगा। अब तक GIS के तहत पैसा काटा गया है वो वापस कर दिया जाएगा। इससे सरकारी कर्मचारियों की इन-हैंड सैलरी बढ़ जाएगी और उन्हें एकमुश्त रकम वापस भी मिलेगी।

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने सरकारी कर्मचारियों को अच्छी खबर दी है। अब वह गवर्नमेंट एंप्लॉयीज की सैलरी से ग्रुप इंश्योरेंस स्कीम (GIS) के लिए कटौती नहीं करेगा। यह बदलाव उन कर्मचारियों पर लागू होगा, जो 1 सितंबर 2013 के बाद सरकारी सेवा में आए हैं।

क्या है ग्रुप इंश्योरेंस स्कीम?

सेंट्रल गवर्नमेंट एंप्लॉयीज ग्रुप इंश्योरेंस स्कीम (CGEGIS) जनवरी 1982 में लागू हुई थी। इसके तहत सरकारी कर्मचारियों को दो तरह से फायदा होता है। इंश्योरेंस कवरेज- कर्मचारी की मृत्यु हो जाने पर परिवार को आर्थिक मदद मिलती है। रिटायरमेंट बेनेफिट- रिटायर होने पर सरकारी कर्मचारी को एकमुश्त भुगतान मिलता है।

क्या EPFO का नया आदेश?

EPFO ने अपना नया आदेश 21 जून 2024 को जारी किया था। इसमें बताया गया कि अब 1 सितंबर 2013 के बाद EPFO में शामिल होने वाले कर्मचारियों के वेतन से GIS के लिए पैसा नहीं काटा जाएगा। अब तक GIS के तहत पैसा काटा गया है, वो वापस कर दिया जाएगा।

इससे सरकारी कर्मचारियों को आगे भी फायदा होगा। एक्सपर्ट का कहना है कि GIS कटौती बंद होने के बाद सरकारी कर्मचारियों की इन हैंड सैलरी बढ़ सकती है। साथ ही, उसमें करीब 10 साल की कटौती वाला पैसा एकमुश्त वापस मिलेगा।

क्या GIS योजना बंद कर दी गई?

अभी EPFO ने इस बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं है। उसकी 21 जून वाले नोटिफिकेशन में सिर्फ 1 सितंबर 2013 के बाद EPFO में शामिल होने वाले सरकारी कर्मचारियों के वेतन से GIS के तहत कटौती बंद करने का जिक्र है। इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि 1 सितंबर से पहले वाले कर्मचारियों के लिए ग्रुप इंश्योरेंस स्कीम में कोई बदलाव हो रहा है या फिर उसे बंद किया जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले दिनों में EPFO आने वाले दिनों चीजों को अधिक स्पष्ट करेगा।

दिल्ली की उड़ानों के लिए किराए में न हो असामान्य वृद्धि, सरकार ने एयरलाइन कंपनियों से कहा

कहा गया है टर्मिनल टी1डी आईजीआईए दिल्ली में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के मद्देनजर सभी एयरलाइनों को सलाह दी जाती है कि वे दिल्ली से आने-जाने वाले हवाई किराए में किसी भी असामान्य वृद्धि पर नजर रखें और इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करें। मंत्रालय ने एक्स हैंडल पर कहा कि चीजों को दोबारा सुचारू रूप से चलाए जाने के लिए बिना किराया बढ़ाए ही काम किया जा सकता है।

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 पर छत गिरने की चर्चा हर तरफ है। इसकी वजह से कई उड़ानें भी रद्द की गई। अब नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शुक्रवार को एयरलाइनों से कहा कि वह रद्द होने वाली उड़ानों के लिए हवाई किराए में कोई वृद्धि न करें।

राष्ट्रीय राजधानी से आने-जाने वाली उड़ानों के लिए हवाई किराए में कोई असामान्य वृद्धि न करने को लेकर मंत्रालय ने एक्स हैंडल पर कहा कि चीजों को दोबारा से सुचारू रूप से चलाए जाने के लिए बिना किराया बढ़ाए ही काम किया जा सकता है।

ढह गई थी छत

बता दें शुक्रवार को सुबह करीब 5 बजे टर्मिनल 1 (ञ्च1) के पुराने प्रस्थान प्रांगण में एक छत का एक हिस्सा गिर गया था। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 6 लोग घायल हो गए। इंडिगो और स्पाइसजेट के घरेलू उड़ान संचालन को संभालने वाले ञ्च1 के बंद होने के कारण उड़ानें रद्द हो गई हैं और संचालन को अस्थायी रूप से ञ्च2 और ञ्च3 पर स्थानांतरित कर दिया गया है।

किराए में न हो असामान्य वृद्धि

इसमें कहा गया है टर्मिनल टी1डी आईजीआईए, दिल्ली में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के मद्देनजर सभी एयरलाइनों को सलाह दी जाती है कि वे दिल्ली से आने-जाने वाले हवाई किराए में किसी भी असामान्य वृद्धि पर नजर रखें और इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करें।

इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि टी1 घटना के बाद, इंडिगो ने 62 उड़ानें प्रस्थान और 7 उड़ानें आगमन रद्द कर दिए हैं, जबकि स्पाइसजेट ने 8 उड़ानें प्रस्थान और 4 उड़ानें आगमन रद्द कर दिए हैं।

तेजपत्ता के इन उपाय से खुलेंगे तरक्की के मार्ग, कभी नहीं होगी धन की कमी

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार तेजपत्ता के टोटके से धन संबंधी समेत कई समस्या दूर होती है। अगर आप भी इस तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो ऐसे में ज्योतिष शास्त्र में बताए गए तेजपत्ता के उपाय बेहद फलदायी साबित होंगे। आइए जानते हैं इन चमत्कारी उपाय के बारे में जिनके जरिए इंसान का जीवन सुखमय होता है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

नई दिल्ली। तेजपत्ता का प्रयोग खाना बनाने के अलावा जीवन में आ रही कई तरह की परेशानियों को दूर करने के लिए किया जाता है। सनातन धर्म में ज्योतिष शास्त्र का अधिक महत्व बताया गया है। इसमें धन समस्या, लड़ाई- झगड़े और नजर दोष समेत कई उपाय का वर्णन किया गया है। अगर आप भी इस तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो ऐसे में आपके लिए ज्योतिष शास्त्र में बताए गए तेजपत्ता के उपाय बेहद फलदायी साबित होंगे। आइए जानते हैं इन चमत्कारी उपाय के बारे में, जिनके जरिए इंसान का जीवन सुखमय होता है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

तेजपत्ता के टोटके

अगर आप घर में नकारात्मक ऊर्जा का सामना कर रहे हैं, तो ऐसे में 5 तेजपत्ता और 5 काली मिर्च को जलाएं। इसे पूरे घर में घुमाएं। ऐसा कहा जाता है कि इस टोटके को करने से घर में उत्पन्न नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और सकारात्मक ऊर्जा का आगमन होता है। साथ ही तरक्की के मार्ग खुलेंगे।

इसके अलावा धन की समस्या से मुक्ति पाने के लिए तेजपत्ता के टोटके बेहद फलदायी साबित होते हैं। अगर आपकी तिजोरी में पैसा नहीं टिकता है, तो ऐसे में सुबह स्नान करने के बाद धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा करें और उनके चरणों में तेजपत्ता को रख दें। माना जाता है कि ऐसा करने से इंसान को जीवन में कभी भी धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता है और धन लाभ के योग बनते हैं।

अगर आपकी कोई मनोकामना पूरी नहीं हो रही है, तो इसके लिए एक तेजपत्ता पर सिंदूर की मदद से अपनी इच्छा लिखें और इसे मंदिर में रख दें। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस टोटके को करने से इंसान की हर मनोकामना पूरी होती है।

नजर दोष से मुक्ति पाने के लिए 7 तेजपत्ते और 1 चम्मच नमक लें। इसे नजर लगने वाले इंसान के ऊपर से 7 बार उतारें। इसके बाद इसे किसी पेड़ के नीचे रखें। ऐसा कहा जाता है कि इस टोटके को करने से नजर दोष खत्म होता है।

मोदी सरकार की वापसी के बाद नीतिगत स्थिरता में बढ़ा भरोसा, जर्मन कंपनियों ने लिया निवेश बढ़ाने का फैसला

भारत में पीएम नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में गठित नई सरकार को लेकर जर्मनी की कंपनियां काफी सकारात्मक हैं। 67 फीसद ने कहा है कि नई सरकार के गठन के बाद यहां कानून व नियमन क्षेत्र में स्थिरता के बने रहने 55 फीसद ने कहा है कि ढांचागत क्षेत्र की स्थिति के सुधरने और 48 फीसद ने कहा है कि उन्हें कारोबार करने में सहूलियत होने की संभावना है।

नई दिल्ली। भारत में लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार के बनने से विदेशी कंपनियों के बीच नीतिगत स्थिरता जारी रहने का भरोसा बढ़ गया है। भारत में कार्यरत जर्मनी की 59 फीसद कंपनियों का कहना है कि वह इस साल (2024) में भारत में निवेश बढ़ाने जा रही हैं। भारतीय बाजार के प्रति भरोसे का एक कारण ये कंपनियां यहां की राजनीतिक स्थिरता को भी दे रही हैं। सस्ता श्रम और आसानी से उपलब्ध विशेषज्ञ दो अन्य बड़ी वजहें हैं। यह बात भारत में जर्मनी के राजदूत फिलीप एकरमैन ने यहां प्रसिद्ध शोध एजेंसी केपीएमजी की तरफ से जर्मन कंपनियों के बीच किये गये एक अध्ययन को जारी करते हुए कही। इस रिपोर्ट से यह बात भी पता चलता है कि जर्मनी की 10 में से छह कंपनियां भारत में निवेश बढ़ाना चाहती हैं।

मोदी सरकार को लेकर सकारात्मक रुख

भारत में पीएम नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में गठित नई सरकार को लेकर जर्मनी की कंपनियां काफी सकारात्मक हैं। 67 फीसद ने कहा है कि नई सरकार के गठन के बाद यहां कानून व नियमन क्षेत्र में स्थिरता के बने रहने, 55 फीसद ने कहा है कि ढांचागत क्षेत्र की स्थिति के सुधरने और 48 फीसद ने कहा है कि उन्हें कारोबार करने में सहूलियत होने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2029 तक जर्मनी की 79 फीसद कंपनियां भारत में निवेश करने को तैयार हैं। यह संख्या वर्ष 2024 के मुकाबले 14 फीसद ज्यादा है।

संभवत- ये कंपनियां भारतीय इकोनमी के और बढ़ने का इंतजार करना चाहती हैं। ये कंपनियां भारत में अपना प्लांट सिर्फ यहां की घरेलू बाजार के लिए नहीं बल्कि यहां से दूसरे देशों को उत्पाद निर्यात करने के उद्देश्य से भी लगाने को इच्छुक हैं। यह अध्ययन केपीएमजी ने 09 अप्रैल से 20 मई के दौरान किया है जब भारत में चुनावी सरगर्मियां चरम पर थी।

अध्ययन में भारत में कारोबार करने की राह में अड़चनों पर भी पूछा गया है। 64 फीसद ने नौकरशाही को सबसे बड़ी अड़चन, 39 फीसद ने भ्रष्टाचार को और 27 फीसद ने यहां की कर व्यवस्था को अड़चन बताया है। 67 फीसद ने पीएम मोदी की सरकार से उम्मीद जताई है कि कारोबार करने के प्रावधानों को आसान बनाया जाएगा। 48 फीसद ने कहा है कि सरकार को निर्यात की राह को आसान बनाना चाहिए।

शार्क टैंक वाली नमिता थापर की एमक्योर फार्मा ला रही IPO, जानिए प्राइस बैंड से लेकर GMP तक पूरी डिटेल

Emcure Pharma IPO का प्राइस बैंड 960-1008 रुपये प्रति शेयर है। एक लॉट में 14 शेयर है। इसका मतलब है कि आपको एमक्योर फार्मा के आईपीओ में निवेश करने के लिए अपर प्राइस बैंड के हिसाब से कम से कम 14112 रुपये लगाने होंगे। शेयरों का अलॉटमेंट 8 जुलाई को होगा। लिस्टिंग 10 जुलाई को होगी। कंपनी आईपीओ से मिली रकम का इस्तेमाल कर्ज कम करने के लिए करेगी।

नई दिल्ली। चर्चित बिजनेस टीवी शो- शार्क टैंक इंडिया में बतौर जज नजर आने वाली नमिता थापर की कंपनी एमक्योर फार्मा अपना IPO ला रही है। यह इश?यू 1,952.03 करोड़ रुपये का है, जो 3 जुलाई को खुलेगा और इसे 5 जुलाई तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा। यह भारती हेक्साकॉम (4,275 करोड़ रुपये), आधार हाउसिंग (3,000 करोड़ रुपये) और गो डिजिट (2,614 करोड़ रुपये) के बाद 2024 का चौथा सबसे बड़ा आईपीओ होगा।

कितना है आईपीओ का प्राइस बैंड?

Emcure Pharma IPO का प्राइस बैंड 960-1,008 रुपये प्रति शेयर है। एक लॉट में 14 शेयर है। इसका मतलब है कि आपको एमक्योर फार्मा के आईपीओ में निवेश करने के लिए अपर प्राइस बैंड के हिसाब से कम से कम 14,112 रुपये लगाने होंगे। शेयरों का अलॉटमेंट 8 जुलाई को होगा। शेयर मार्केट में लिस्टिंग 10 जुलाई को होगी। कंपनी आईपीओ से मिली रकम का इस्तेमाल कर्ज कम करने और कामकाजी खर्च चलाने के लिए करेगी।

कितना मिल सकता है मुनाफा?

नमिता थापर की कंपनी का ग्रे मार्केट प्रीमियम (तरक्क) अच्छी कमाई का संकेत दे रहा है। एमक्योर फार्मा का आईपीओ का तरक्क करीब 270 रुपये प्रति शेयर चल रहा है।

इस हिसाब से एमक्योर फार्मा की लिस्टिंग 1278 रुपये पर हो सकती है। इसका मतलब कि निवेशकों को 26.79 फीसदी का लिस्टिंग गेन मिल सकता है।

क्या करती है एमक्योर फार्मा?

एमक्योर फार्मास्युटिकल्स की नींव 1981 में पड़ी। यह दवाओं का मैन्युफैक्चरिंग करने के साथ देश और विदेश में उसकी बिक्री करती है। देश में इसके 13 दवा मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी हैं। एमक्योर फार्मा के सीएमडी सतीश मेहता हैं। नमिता थापर उन्हीं की बेटी और कंपनी की एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर हैं।

अगर वित्तीय सेहत की बात करें, तो 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में एमक्योर फार्मा का रेवेन्यू 6,715.24 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का नेट प्रॉफिट 527.58 करोड़ रुपये का रहा। इससे एक साल पहले कंपनी का नेट प्रॉफिट 561.85 करोड़ रुपये रहा था।

90 साल में पहली बार साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, महिला टेस्ट क्रिकेट में हासिल किया नया मुकाम

भारत ने वह कर दिखाया है जो महिला क्रिकेट के 90 साल के इतिहास में कोई भी अन्य टीम नहीं कर पाई है। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में साउथ अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। भारतीय महिला टीम टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 600 रन बनाने वाली पहली टीम बनी।

नई दिल्ली। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के दौरान भारतीय महिला टीम ने एक और उपलब्धि हासिल की।? हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम ने वह हासिल किया जो महिला टेस्ट क्रिकेट के 90 साल के इतिहास में कोई भी अन्य महिला टीम हासिल नहीं कर सकी। भारत ने महिला टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। चेन्नई में साउथ अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र मैच की पहली पारी में भारतीय महिला टीम ने 603/6 (घोषित) का विशाल स्कोर बनाया। इसके साथ ही भारतीय टीम टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में 600 रन बनाने वाली पहली टीम बन गई है।

भारत ने तोड़ा ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड इससे पहले एक पारी में सर्वोच्च टीम स्कोर ऑस्ट्रेलिया के नाम था। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस साल की शुरुआत में साउथ अफ्रीका के ही खिलाफ टेस्ट मैच में 575/9 रन बनाए थे। भारतीय बल्लेबाजों ने पहले दिन और दूसरे दिन के पहले घंटे में साउथ अफ्रीका पर दबदबा बनाया। विशाल स्कोर बनाकर मैच में पकड़ मजबूत कर ली है।

महिला टेस्ट क्रिकेट में सर्वोच्च टीम स्कोर-

भारत- 604/6स्त्र, 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ

ऑस्ट्रेलिया- 575/9स्त्र, 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ

ऑस्ट्रेलिया- 569/6स्त्र, 1998 में इंग्लैंड के खिलाफ

ऑस्ट्रेलिया- 525 रन, 1984 में भारत के खिलाफ

न्यूजीलैंड- 517/8 रन, 1996 में इंग्लैंड के खिलाफ

महिला टेस्ट क्रिकेट में रचा नया इतिहास

बता दें कि पहले दिन शेफाली वर्मा ने महिला टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज शतक और फिर सबसे तेज दोहरा शतक लगाया। उन्होंने 113 गेंद में अपना शतक पूरा किया और जेनेट ब्रिटिन के 137 गेंद में सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद शेफाली ने अपनी बल्लेबाजी को दूसरे गियर में ले लिया और 81 गेंद में अपने अगले 100 रन बनाए।

शेफाली ने दिग्गजों को पछाड़ा

कुल मिलाकर शेफाली अपना दोहरा शतक बनाने के लिए 194 गेंद का सामना किया और एनाबेल सदरलैंड के 248 गेंद में सबसे तेज दोहरे शतक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। शेफाली के अलावा, दूसरी भारतीय ओपनर स्मृति मंधाना ने अपना वनडे फॉर्म जारी रखा और पहली पारी में 149 रन बनाए। उन्होंने शेफाली के साथ मिलकर पहले दिन 292 रन बनाए और दुनिया में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी की।

बिना एटीएम कार्ड के भी निकल सकते हैं कैश अगर हां, तो क्या है प्रोसेस

आज के समय में कैश निकालने की ज्यादा जरूरत तो नहीं होती है पर जब कैश विड्रॉ करना होता है तो हम डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि आप बिना एटीएम कार्ड के भी कैश विड्रॉल कर सकते हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल में एक ऐसा तरीका बताएंगे जिसमें बिना एटीएम कार्ड के भी कैश निकाला जा सकता है।

नई दिल्ली। आज के समय में भले ही हम पेमेंट करने के लिए यूपीआई (UPI) करना पसंद करते हैं। लेकिन, कई बार हमें कैश की जरूरत पड़ जाती है और इसके लिए हमें एटीएम (ATM) जाना होता है। अब आप कैश विड्रॉल करने के लिए एटीएम गए , लेकिन डेबिट कार्ड (Debit Card) ले जाना भूल गए। ऐसी स्थिति में आपको क्या करना चाहिए? आपको डेबिट कार्ड लेने के लिए वापस जाने की जरूरत नहीं है। आप बिना एटीएम कार्ड के भी कैश विड्रॉल कर सकते हैं। कई लोगों को इसकी जानकारी नहीं है।

बिना एटीएम कार्ड के कैसे विड्रॉ करें कैश

आपको बिना एटीएम कार्ड के कैश विड्रॉ करने के लिए यूपीआई बेस्ड ऐप्स जैसे भीम (BHIM), पेटीएम (Paytm), गूगल पे (GPay), फोन पे (PhonePay) आदि का इस्तेमाल करना होगा।

आपको एटीएम पर जाकर कार्डलैश विड्रॉ के ऑप्शन को सेलेक्ट करना होगा। अब आपको यूपीआई ऐप ओपन करके क्यूआर कोड स्कैन करना होगा।

कितना सेफ है यह तरीका

यूपीआई ऐप्स के जरिये कैश निकालने का यह तरीका काफी सिक्योर है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने इस तरीके को लेकर कहा था कि यह काफी सुरक्षित तरीका है। इसमें कार्ड क्लोनिंग नहीं हो सकती है।

इसका मतलब है कि यह आपको बैंकिंग फ्रॉड से बचाता है। साथ-साथ अब कैश विड्रॉ करते समय पर्स से एटीएम कार्ड की जगह केवल स्मार्टफोन निकालना होगा। यह एक हद तक टाइम सेविंग तरीका भी है।

भगवान की पूजा से लेकर आरती तक, रखें इन बातों का ध्यान, मिलेगा पूर्ण फल

नई दिल्ली। अधिकतर हिंदू अनुयायी अपने घर में या मंदिर में जाकर पूजा-पाठ करते हैं। यह माना जाता है कि नियमित रूप से और पूरे विधि-विधान से पूजा-पाठ करने से साधक के जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। शास्त्रों में पूजा-पाठ के दौरान कई तरह के नियम भी बताए गए हैं, जिनका ध्यान रखने पर आपकी पूजा सफल मानी जाती है।

न रखें ऐसी मूर्तियां

पूजा घर में गणेश जी, सरस्वती जी और माता लक्ष्मी की खड़ी हुई मुद्रा में मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। इसके साथ ही मंदिर में शिवलिंग शालिग्राम और गोमती चक्र एक से ज्यादा नहीं रखने चाहिए। इस बात का भी ध्यान रखें कि मूर्तियां खंडित नहीं होनी चाहिए, वरना इससे नकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

देवी-देवता का मिलेगा आशीर्वाद

किसी भी देवी-देवता की पूजा करने से पहले सर्वप्रथम भगवान गणेश को प्रणाम करना चाहिए, तभी आपकी पूजा सफल मानी जाती है। इसके साथ ही घर के मंदिर में सुबह शाम दीपक जरूर जलाना चाहिए, इससे देवी-देवता का आशीर्वाद आपके और आपके परिवार के ऊपर बना रहता है। इसके साथ ही

न करें ये गलतियां

शास्त्रों में दीपक से दीपक को नहीं जलाना चाहिए। यदि आप भी घर के मंदिर में गंगाजल रखते हैं, तो इसे हमेशा तांबे के बर्तन में ही रखना चाहिए। इसे रखने के लिए प्लास्टिक, एल्युमिनियम या फिर लोहे से बने बर्तन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही कभी भी पूजा के लिए शाम के समय फूल नहीं तोड़ने चाहिए। इसलिए संध्या काल से पहले ही फूल तोड़कर रख लेने चाहिए।

मानसून में इम्युनिटी का काम करते हैं ये मसाले, संक्रमण और बीमारियों को रखते हैं कोसों दूर

बरसात के मौसम में अक्सर इम्युनिटी कमजोर हो जाती हैं जिसकी वजह से कई तरह की बीमारियां और संक्रमण हमें अपनी चपेट में ले लेती हैं। ऐसे में अपनी इम्युनिटी मजबूत करने के लिए डाइट में जरूरी बदलाव करना आवश्यक है। बरसात के मौसम में आप अपनी डाइट में कुछ मसाले शामिल कर खुद को बीमारियों और इन्फेक्शन से बचा सकते हैं।

नई दिल्ली। भारत अपने खानपान के लिए दुनियाभर में मशहूर हैं। यहां के व्यंजनों में कई तरह के मसालों का इस्तेमाल किया जाता है, जो न सिर्फ उनका स्वाद बढ़ाते हैं, बल्कि आपकी सेहत को ढेरों फायदे भी पहुंचाते हैं। लगभग हर भारतीय रसोई में अलग-अलग प्रकार के मसाले पाए जाते हैं, जो अपने स्वाद और बेहतरीन सुगंध की वजह से काफी इस्तेमाल किए जाते हैं। हालांकि, ये मसाले सिर्फ स्वाद बढ़ाने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आपको सेहतमंद बनाने में भी मदद करते हैं।

दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में बारिश के साथ ही मानसून ने दस्तक दे दी है। ऐसे में बदलते मौसम में अक्सर इम्युनिटी कमजोर हो जाती है, जिसकी वजह से कई बीमारियां और संक्रमण लोगों को अपना शिकार बना लेती हैं। ऐसे में कुछ मसालों को अपनी डाइट में शामिल कर आप मानसून में खुद को सेहतमंद बना सकते हैं। आइए जानते हैं मानसून में किन मसालों को करें डाइट में शामिल-

हल्दी

लगभग हर व्यंजन में इस्तेमाल होने वाली हल्दी अपने शक्तिशाली एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुणों के लिए जानी जाती है। अपने इन्हीं गुणों की वजह से यह मानसून के लिए एक जरूरी मसाला बन जाता है। यह इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करती है, जिससे बरसात के मौसम में संक्रमण से बचाव होता है।

लौंग

यूजेनॉल से भरपूर, लौंग लोकप्रिय एक गर्म मसाला है, एंटीवायरल और एंटी-माइक्रोबियल गुणों से भरपूर होती है। इसमें मौजूद यही गुण इसे मौसमी बीमारियों से बचाने के लिए एक आदर्श मसाला बनाता है। आप लौंग को विभिन्न तरीकों से जैसे में डालकर या स्वादिष्ट व्यंजनों में शामिल करके डाइट का हिस्सा बना सकता है। लौंग पाचन में सुधार करने के साथ ही रेस्पिरेटरी संबंधी समस्याओं से राहत दिलाती है और मानसून में आपकी इम्युनिटी भी बढ़ाती है।

अजवाइन

अजवाइन अपने चमत्कारी गुणों की वजह से जाना जाता है। यह मानसून का एक जरूरी मसाला है, जो बरसात के मौसम में होने वाली पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। अपने वातहर गुणों के लिए मशहूर अजवाइन सूजन और अपच को कम करती है।

जीरा अपने अनगिनत स्वास्थ्य लाभों के कारण मानसून के लिए एक महत्वपूर्ण और जरूरी मसाला होता है। यह आमतौर पर पाचन संबंधी समस्याओं से राहत पाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही यह मानसून में होने वाली अन्य समस्याओं से बचाने में भी मदद करता है।

काली मिर्च

काली मिर्च आमतौर पर अपने गर्म गुणों के लिए जानी जाती है। साथ ही यह इम्युनिटी बढ़ाने और पाचन संबंधी समस्याओं से बचाने में भी मदद करता है।

यही वजह है कि मानसून में बीमारियों और संक्रमण से बचाने में मददगार होता है। आप इसे सूप, स्टू और चाय या अन्य व्यंजनों में मिलाकर डाइट में शामिल कर सकते हैं।

आपके नाखून पर भी नजर आ रहा है ये एक बदलाव, तो बिल्कुल न करें इसे अनदेखा

नई दिल्ली। हमारा शरीर प्राकृतिक रूप से ऐसा बना है, जो अंदर कुछ भी असामान्य होने पर बाहर संकेत देना शुरू कर देता है। इन संकेतों की मदद से किसी बीमारी का सही समय से पता लगाया जा सकता है और इलाज शुरू किया जा सकता है। नाखूनों पर नजर आने वाले संकेत इन्हीं में से एक है, जो शरीर में कुछ गड़बड़ी की जानकारी देते हैं। हमारे नाखून शरीर की एक ऐसी खिड़की हैं, जो अंदर झांक कर इसमें चल रही कमियों को पहले ही उजागर कर देते हैं।

सामान्य तौर पर नाखून हल्के गुलाबी रंग के होते हैं और साथ ही ये स्मूथ, शाइनी और मजबूत होते हैं। लेकिन असामान्य नाखून बदरंग, पीले, काले या फिर चिपटे, टेढ़े मेढ़े, क्रैक, कमजोर, सफेद स्पॉट, ब्राउन लाइन वाले हो सकते हैं।

क्या कहते हैं नाखून पर ये बदलाव

ये सफेद रंग के स्पॉट तो आमतौर पर कई लोगों में पाए जाते हैं। लेकिन ब्राउन रंग के स्पॉट या लंबी लाइनें इतनी आम नहीं हैं। इसे मेलानोनाइकिया कहते हैं। ये एक नाखून या कई नाखून में देखे जा सकते हैं। अक्सर लोग इसे इग्नोर कर देते हैं, क्योंकि इसमें किसी प्रकार का दर्द नहीं होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नाखून पर दिखने वाले ब्राउन रंग के स्पॉट या लंबी लाइनों को इग्नोर नहीं करना चाहिए। ये कई बातों के संकेत देते हैं, जैसे —

नाखून पर चोट लगने के कारण। किसी भारी चीज से दबने से, नेल बाइटिंग करने से, स्प्लिंटर हेमरेज होने से। कुछ एंटी फंगल और एंटीमलेरियल दवाइयों के कारण भी ये हो सकता है।

कैंसर का इलाज करने में कीमोथेरेपी के दौरान भी ऐसे नाखून हो सकते हैं।

एचआईवी से पीड़ित रोगी के नाखून भी ऐसे हो सकते हैं। वायरस और इस दौरान इस्तेमाल की जाने वाली दवाइयों के कारण ऐसा होता है।

मेलानोमा, एक प्रकार के स्किन कैंसर के कारण भी ऐसे नाखून होना संभव है, इसलिए मुख्य इसी कारण से नाखून पर ब्राउन लाइन दिखने पर इग्नोर न करने की सलाह दी जाती है।

किसी फंगल इन्फेक्शन के कारण भी नाखून पर ब्राउन लाइन दिख सकती है। ये मेलानोमा जैसा ही दिखता है जिसकी पुष्टि के लिए बायोप्सी करवाना चाहिए।

नेल सोरियासिस के कारण भी नेल बेड पर ब्राउन लाइन आ जाती है।

ऐसे रखें नाखून का ख्याल-

स्वस्थ नाखून के लिए विटामिन और मिनरल से भरपूर डाइट लेनी चाहिए। इसमें जिलेटिन जैसे प्रोटीन, विटामिन ए और बी, बायोटिन, कॉपर, मैग्नीशियम, जिंक, सिलिकॉन जरूर शामिल करें। अपने नाखून में इस्तेमाल हो रहे प्रोडक्ट की पूरी जानकारी रखें। साबुन, लोशन, क्लीनिंग प्रोडक्ट, नेल पॉलिश, नेल पेंट रिमूवर जैसे सभी प्रोडक्ट की पूरी जानकारी रखें। नियमित रूप से क्यूटिकल ऑयल से नाखून के बेड को साफ करें।

हाथ मॉइश्चराइज करते रहें।

नाखून चबाने की आदत हो तो उसे बंद करें। किसी भी प्रकार की असामान्य बदलाव दिखने पर डॉक्टर से परामर्श लें।

सेहत पर भारी पड़ सकती है तरबूज को फ्रिज में रखने की गलती, नुकसान जानकर चौंक जाएंगे

गर्मियों में तरबूज आम के बाद दूसरा सबसे ज्यादा खाया जाने वाला फल माना जाता है। आकार में बड़ा होने के कारण इसे एक बार में खत्म करना कई लोगों के लिए मुमकिन नहीं होता है ऐसे में अगर आप भी खाने के बाद इसका बचा हुआ हिस्सा फ्रिज में रख देते हैं तो यह आर्टिकल आप ही के लिए है।

नई दिल्ली। गर्मियों में तरबूज खाना भला किसे पसंद नहीं आता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हम में से ज्यादातर लोग इसका सेवन करते वक्त कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो इस मौसमी फल को जहरीला बनाने का काम करती हैं? जाहिर है यह आकार में बड़ा होता है और एक बार में हर किसी के लिए इसे खाना मुमकिन नहीं होता है, लेकिन ऐसे में अगर आप इसे फ्रेश बनाए रखने के लिए फ्रिज में रखने का रास्ता चुनते हैं, तो यह बेहद गलत है। जी हां, ऐसा करने से न सिर्फ इसकी पोषक तत्वों में कटौती हो जाती है, बल्कि बैक्टीरिया के पनपने की आशंका भी कई गुना बढ़ जाती है।

क्यों फ्रिज में नहीं रखना चाहिए तरबूज?

97 प्रतिशत पानी से भरपूर यह मौसमी फल काटते के साथ ही खा लेना चाहिए। डॉक्टर्स बताते हैं कि इसे काटकर फ्रिज में रखने से न्यूट्रिशन वैल्यू को भारी नुकसान पहुंचता है और बैक्टीरिया पनपने के कारण फूड पॉइजनिंग का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है।

आपने अक्सर देखा होगा कि फ्रिज में रखी चीजों का स्वाद बदल जाता है, यही वजह है कि तरबूज ही नहीं, बल्कि किसी भी फल को काटने के बाद फ्रिज में स्टोर करने की सलाह नहीं दी जाती है।

डाइजेशन के लिए नुकसानदायक

एक तरफ जो तरबूज पाचन तंत्र को दुरुस्त बनाने का काम करता है, वही फ्रिज में स्टोर किए जाने के बाद आपकी गट हेल्थ के लिए दुश्मन साबित हो सकता है। फ्रिज इसका पानी भी सोखना शुरू कर देता है, जिससे इसके भीतर मौजूद शरीर को हाइड्रेट रखने की क्षमता भी घट जाती है।

यही वजह है कि दादी-नानी हमेशा से ऐसा करने से मना करती आई हैं।

क्या बिना काटे फ्रिज में रखना सही?

तरबूज को काटे बिना आप इसे फ्रिज में बेफिक्र होकर रख सकते हैं, लेकिन ध्यान रहे कि इसका मोटा छिलका भी इसे 5-6 दिनों से ज्यादा समय तक फ्रेश नहीं रख पाता है। इसलिए कोशिश करें कि मार्केट से लाने के 4-5 दिनों के अंदर ही इसका सेवन कर लें। इसके अलावा यह भी ध्यान रहे कि फ्रिज का हाई टेम्प्रेचर फल और सब्जियों को गला कर सड़ाना शुरू कर देता है, ऐसे में भलाई इसी में है कि आप इसे रोजाना चेक करते रहें।

क्या कहता है SDA?

यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर की मानें, तो %तरबूज, खरबूजा या आम जैसे फलों को कमरे के तापमान में रखना ही बेस्ट ऑप्शन है, जो कि इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स के लिए बेहतर साबित होता है, जो शरीर के लिए बहुत लाभदायक होते हैं।

सेहत पर भारी पड़ सकती है तरबूज को फ्रिज में रखने की गलती, नुकसान जानकर चौंक जाएंगे आप

नई दिल्ली। गर्मियों में तरबूज खाना भला किसे पसंद नहीं आता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हम में से ज्यादातर लोग इसका सेवन करते वक्त कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो इस मौसमी फल को जहरीला बनाने का काम करती हैं?

जाहिर है यह आकार में बड़ा होता है और एक बार में हर किसी के लिए इसे खाना मुमकिन नहीं होता है, लेकिन ऐसे में अगर आप इसे फ्रेश बनाए रखने के लिए फ्रिज में रखने का रास्ता चुनते हैं, तो यह बेहद गलत है। जी हां, ऐसा करने से न सिर्फ इसकी पोषक तत्वों में कटौती हो जाती है, बल्कि बैक्टीरिया के पनपने की आशंका भी कई गुना बढ़ जाती है।

क्यों फ्रिज में नहीं रखना चाहिए तरबूज?

97 प्रतिशत पानी से भरपूर यह मौसमी फल काटते के साथ ही खा लेना चाहिए। डॉक्टर्स बताते हैं कि इसे काटकर फ्रिज में रखने से न्यूट्रिशन वैल्यू को भारी नुकसान पहुंचता है और बैक्टीरिया पनपने के कारण फूड पॉइजनिंग का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है।

आपने अक्सर देखा होगा कि फ्रिज में रखी चीजों का स्वाद बदल जाता है, यही वजह है कि तरबूज ही नहीं, बल्कि किसी भी फल को काटने के बाद फ्रिज में स्टोर करने की सलाह नहीं दी जाती है।

डाइजेशन के लिए नुकसानदायक

एक तरफ जो तरबूज पाचन तंत्र को दुरुस्त बनाने का काम करता है, वही फ्रिज में स्टोर किए जाने के बाद आपकी गट हेल्थ के लिए दुश्मन साबित हो सकता है।

फ्रिज इसका पानी भी सोखना शुरू कर देता है, जिससे इसके भीतर मौजूद शरीर को हाइड्रेट रखने की क्षमता भी घट जाती है। यही वजह है कि दादी-नानी हमेशा से ऐसा करने से मना करती आई हैं।

क्या बिना काटे फ्रिज में रखना सही?

तरबूज को काटे बिना आप इसे फ्रिज में बेफिक्र होकर रख सकते हैं, लेकिन ध्यान रहे कि इसका मोटा छिलका भी इसे 5-6 दिनों से ज्यादा समय तक फ्रेश नहीं रख पाता है। इसलिए कोशिश करें कि मार्केट से लाने के 4-5 दिनों के अंदर ही इसका सेवन कर लें।

इसके अलावा यह भी ध्यान रहे कि फ्रिज का हाई टेम्परेचर फल और सब्जियों को गला कर सड़ाना शुरू कर देता है, ऐसे में भलाई इसी में है कि आप इसे रोजाना चेक करते रहें।

क्या कहता है स्ठ?

यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर की मानें, तो तरबूज, खरबूजा या आम जैसे फलों को कमरे के तापमान में रखना ही बेस्ट ऑप्शन है, जो कि इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स के लिए बेहतर साबित होता है, जो शरीर के लिए बहुत लाभदायक होते हैं।

30 की उम्र के बाद रहना चाहते हैं फिट और हेल्दी, तो अपनी डाइट में ये विटामिन जरूर शामिल करें पुरुष

सेहतमंद रहने के लिए शरीर में सभी पोषक तत्वों का होना जरूरी है। खासकर पुरुषों के लिए 30 साल की उम्र के बाद अपने खानपान का खास ख्याल रखना चाहिए। इस दौरान उन्हें अपने जीवन में कई जरूरी कार्य करने पड़ते हैं। ऐसे में शरीर में सभी विटामिन्स का होना आवश्यक है। ऐसे में आज इस आर्टिकल में जानेंगे पुरुषों के लिए जरूरी विटामिन्स के बारे में।

नई दिल्ली। पुरुष और महिला की शारीरिक बनावट अलग होती है। पुरुषों की स्किन मोटी, ऑयली और थोड़ी रफ होती है। महिलाओं की तुलना में इनकी स्टैमिना भी अलग होती है। इनके हार्मोनल परिवर्तन भी महिलाओं से अलग होते हैं। इसलिए एक उम्र के बाद इनकी विटामिन की जरूरत भी अलग हो जाती है।

हालांकि, 30 की उम्र के बाद पुरुषों की जिम्मेदारियां काफी बढ़ जाती हैं, जिसकी वजह से उन्हें बेहतर ढंग से कार्य करना पड़ता है, जो कई बार तनाव का कारण बनता है। इस दौरान इनमें कोर्टिसोल की मात्रा बढ़ने लगी है।

ऐसे में जरूरी है कि 30 की उम्र के बाद पुरुष अपनी डाइट का खास ख्याल रखें, क्योंकि इस उम्र के बाद सही डाइट न लेने पर कई प्रकार की बीमारियां शुरू होने लगती हैं। ऐसे में जानते हैं कि 30 की उम्र के बाद पुरुषों को किन विटामिन को डाइट में शामिल करने चाहिए।

विटामिन बी12

सामान्य ब्लड और ब्रेन फंक्शन के लिए 30 साल के बाद विटामिन बी12 पर्याप्त मात्रा में लेना चाहिए, क्योंकि बढ़ती उम्र के साथ ये विटामिन अच्छे से एब्जॉर्ब नहीं होता है, इसलिए खाने में चिकन, फिश, डेयरी और अंडे की मात्रा बढ़ानी चाहिए, जिससे विटामिन बी12 पर्याप्त मात्रा में शरीर में बनी रहे।

कैल्शियम

30 की उम्र के बाद एक सीमित मात्रा में कैल्शियम का सेवन करना चाहिए, क्योंकि इसकी मात्रा ज्यादा होने से हार्ट के लिए खतरा बढ़ सकता है।

डेयरी प्रोडक्ट्स, टोफू, ब्रोकली, पालक और बादाम से डाइट में कैल्शियम की मात्रा बढ़ाई जा सकती है।

विटामिन डी

इस विटामिन की कमी होने से डायबिटीज, हार्ट डिजीज, मल्टिपल स्क्लेरोसिस, ब्रेस्ट और कोलोरेक्टल कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही ये कैल्शियम को एब्जॉर्ब करने में मदद करता है। इसलिए 30 की उम्र के बाद धूप में बैठने का नियम बना लें।

विटामिन ए, सी और ई

हेल्दी स्किन के लिए 30 की उम्र के बाद ये सभी विटामिन जरूरी हो जाते हैं। ये बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाते हैं और इम्युनिटी को मजबूत बनाते हैं।

साथ ही ये आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। नींबू, संतरा, गाजर, व्हीट जर्म ऑयल, बादाम, मूंगफली जैसी चीजों में ये भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

रॉकस्टार के बाद शाह रुख खान की फिल्म की बारी, बड़े पर्दे पर दोबारा रिलीज होंगी करण जौहर की ये मूवीज

मौजूदा समय में पुरानी फिल्मों को दोबारा रिलीज करने का चलन शुरू हो गया है। इस कड़ी में रणबीर कपूर स्टारर फिल्म रॉकस्टार को हाल ही में बड़े पर्दे पर उतारा गया। इस ट्रेंड को फॉलो करने के लिए अब निर्माता करण जौहर भी तैयार हैं और वह अपनी इस मूवीज को री-रिलीज करने का प्लान कर रहे हैं।

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा की पुरानी फिल्मों को सिल्वर स्क्रीन्स पर दोबारा देखने के मौका आ गया है। हाल ही में सुपरस्टार रणबीर कपूर की फिल्म रॉकस्टार पर बड़े पर्दे पर री-रिलीज किया गया और दर्शकों ने इसका भरपूर आनंद उठाया। इस ट्रेंड को लेकर अब निर्माता करण जौहर ने खुलकर चर्चा की है। फिल्म बैड न्यूज के ट्रेलर लॉन्च के दौरान करण ने इस मामले पर अपनी शानदार मूवीज को री-रिलीज करने को लेकर एलान किया है। जिसमें मेगा सुपरस्टार शाह रुख खान की फिल्म कभी खुशी कभी गम को लेकर उन्होंने जिक्र किया है।

इन मूवीज को री-रिलीज करेंगे करण

विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी स्टारर फिल्म बैड न्यूज के ट्रेलर लॉन्च के दौरान करण जौहर ने फिल्मों की री-रिलीज को लेकर बात की है।

न्यूज 18 की रिपोर्ट के अनुसार करण ने कहा है- सिनेमा के लिहाज पुरानी फिल्मों को दोबारा से रिलीज करने का कदम काफी अच्छा है। इससे नई जेनेरशन पुरानी फिल्मों का मजा ले सकती है।

रॉकस्टार को री-रिलीज में देखकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। हम भी इस पर विचार कर रहे हैं। जब कभी खुशी कभी गम के 25 साल पूरे हो जाएंगे, तब हम भी इसे दोबारा से रिलीज करेंगे। इस तरह से करण ने शाह रुख खान की फिल्म को लेकर बड़ा एलान किया है। माना जा रहा है कल हो न हो और कभी अलविदा न कहना को भी करण री-रिलीज कर सकते हैं।

कभी खुशी कभी गम सुपरहिट फिल्म

बतौर डायरेक्टर कभी खुशी कभी गम करण जौहर के करियर की सबसे शानदार फिल्मों में से एक मानी जाती है। साल 2001 में रिलीज हुई इस फिल्म ने फैंस को जमकर एंटरटेन किया था। शाह रुख खान, अमिताभ बच्चन, काजोल, जया बच्चन, करीना कपूर और ऋतिक रोशन जैसे कलाकारों से सजी इस मूवी को हिंदी सिनेमा की कल्ट फिल्म भी माना जाता है। 2 साल बाद ये फिल्म अपनी रिलीज के 25 साल पूरे कर लेगी।

मेथी दाने को भूनकर खाने से मिलते हैं गजब के फायदे, जोड़ों के दर्द से लेकर डायबिटीज तक में है लाभकारी

मेथी दाने को आयुर्वेद में औषधि की जगह दी जाती है। खानपान में इसे शामिल करके डायबिटीज ही नहीं बल्कि वेट लॉस में भी फायदा पाया जा सकता है। इसके अलावा हार्ट से जुड़ी बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं तो भी मेथी दाना आपके लिए काफी उपयोगी है। आइए जानते हैं कि भुनी हुई मेथी खाने से सेहत को क्या फायदे मिल सकते हैं।

नई दिल्ली। खाने में मसाले के तौर पर या फिर पानी में भिगोकर तो आपने मेथी दाने का सेवन शायद किया ही होगा, लेकिन आज हम आपको बताएंगे कि इसे भूनकर खाना आपकी सेहत के लिए कैसे लाभकारी हो सकता है। बता दें, यह आयरन, फाइबर, कैल्शियम, मैग्निशियम, विटामिन सी और विटामिन बी6 से भरपूर होते हैं। आइए जानते हैं इसे भूनकर खाने के कुछ गजब फायदे।

हार्ट को रखे हेल्दी

बढ़ती उम्र में अगर दिल से जुड़ी बीमारियों के जोखिम को कम करना चाहते हैं, तो भुनी हुई मेथी को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। इसमें मौजूद गुण हार्ट को हेल्दी रखने का काम करते हैं और खून को प्यूरिफाई करने में भी बड़ी भूमिका निभाते हैं।

वेट लॉस में मददगार

अगर आप वजन घटाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, तो भी मेथी दाने को भूनकर खाने से %वेट लॉस जर्नी% में काफी फायदा मिल सकता है। बता दें, फाइबर से भरपूर होने के कारण इसे खाने के बाद काफी देर तक आपको भूख नहीं लगती है, जिससे ओवरईटिंग की समस्या नहीं होती है। इसमें मौजूद पोषक तत्व आपके मेटाबॉलिज्म को भी बूस्ट करने का काम करते हैं।

डायबिटीज में लाभकारी

ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिहाज से भी मेथी दाने का सेवन काफी फायदेमंद होता है। बता दें, कि यह इंसुलिन के निर्माण को भी बढ़ाता है, जिससे हाई ब्लड शुगर की परेशानी नहीं होती है। इसके अलावा टाइप 2 डायबिटीज में भी यह काफी गुणकारी मानी जाती है।

त्वचा और बालों को रखे हेल्दी

बालों और त्वचा को हेल्दी रखने के लिए आप मेथी दाने का भूनकर सेवन कर सकते हैं। यह ब्लड को प्यूरिफाई करके कील-मुंहासों को तो दूर करते ही हैं, साथ ही स्किन को भी ग्लोइंग बनाते हैं। इसके अलावा बालों की ओवरऑल हेल्थ को दुरुस्त करने के लिए भी लोग इसका सेवन किया करते हैं।

महाराज में इंटीमेट सीन देने के बाद ऐसा था शालिनी पांडे का रिएक्शन, बोलीं- मैं कुछ देर अकेले...

नई दिल्ली। आमिर खान के बेटे जुनैद खान की डेब्यू फिल्म महाराज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो गई है। जुनैद को उनकी पहली ही फिल्म के लिए दर्शकों और क्रिटिक्स से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस मूवी में उनके साथ जयदीप अहलावत, शालिनी पांडे और शरवरी वाघ भी नजर आई हैं, जिनके अभिनय को भी लोगों ने काफी पसंद किया है।

शालिनी पांडे ने महाराज में जुनैद की मंगेतर %किशोरी% की भूमिका निभाई है, जो चरण सेवा के बाद अपनी जान दे देती है। अब शालिनी ने एक इंटरव्यू में अपने से 14 साल बड़े अभिनेता जयदीप अहलावत के किरदार के साथ इंटीमेट सीन देने पर बात की है।

बेचैन हो गई थीं शालिनी पांडे

हाल ही में बॉलीवुड हंगामा के साथ बातचीत में शालिनी ने %चरण सेवा% सीन करने के बाद का अपना अनुभव शेयर किया। एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे वह यह शॉट करने के बाद परेशान हो गई थीं। यहां तक कि शूटिंग खत्म होने के बाद उन्होंने अपनी टीम से यह तक कह दिया था कि वह कुछ देर अकेली रहना चाहती हैं। मुझे थोड़ी घबराहट हो रही है।

अपने किरदार को लेकर क्या बोलीं शालिनी

वहीं, जब उन्होंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी थी, तो उन्हें लगा था कि उनका किरदार बेवकूफी भरा है, लेकिन बाद में उन्हें एहसास हुआ कि उनके किरदार की कंडीशनिंग यह मानने के लिए थी कि उन्होंने महाराज के लिए जो किया, वह ठीक था। वहीं, निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा और जयदीप भी समझ गए थे कि वह कैसा महसूस कर रही थीं।

क्या था चरण सेवा वाला सीन

बता दें कि फिल्म में दिखाया गया है कि महाराज चरण सेवा के नाम पर लड़कियों के साथ इंटरकोर्स करते हैं। सालों से ऐसा रिवाज है, जहां मर्द खुद अपने घर की बहू-बेटियों को चरण सेवा यानी इंटरकोर्स के लिए महाराज के पास भेजते हैं। जब ये बात जुनैद यानी करसनदास को पता चलती है, तो वह इसका विरोध करता है और महाराज का असली चेहरा दुनिया के सामने लाता है।

सोनू निगम ने आशा भोसले के पैर धोकर लिया आशीर्वाद, यूजर्स बोले- नेता बनने से कुछ कदम दूर

सिंगर सोनू निगम सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वह अक्सर अपनी बातों को भी बेबाक अंदाज से सबके सामने रखते हुए नजर आते हैं। अब एक बार फिर सिंगर चर्चा में आ गए हैं। इस बार उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है

नई दिल्ली। बॉलीवुड सिंगर्स का जिक्र हो और उसमें दिग्गज गायिका आशा भोसले का नाम शामिल न हो ऐसे कैसे हो सकता हैं। उन्होंने अपने गानों से न सिर्फ दुनियाभर में पहचान बनाई, बल्कि अपनी मधुर आवाज से लोगों के दिलों पर राज भी किया है।

आज भी लीजेंड आशा भोसले के गाने लोगों की जुबान पर सुनाई दे जाते हैं। सिर्फ आम लोग ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड के कई सिंगर भी उन्हें अपना रोल मॉडल मानते हैं। इस लिस्ट में सिंगर सोनू निगम का नाम भी शामिल है। अब हाल ही में उन्होंने आशा भोसले की बायोग्राफी बुक लॉन्च इवेंट के दौरान कुछ ऐसा किया, जिसने फैंस का दिल जीत लिया।

इंडस्ट्री से शामिल हुए कई सेलेब्स

हाल ही में मुंबई में आशा भोसले की बायोग्राफी बुक %स्वरस्वामिनी आशा% का लॉन्च इवेंट रखा गया। इस इवेंट में पूनम ढिल्लों, जैकी श्रॉफ, सोनू निगम और सुरेश वडकर समेत इंडस्ट्री के कई लोग शामिल हुए, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर देखने को मिल रहे हैं। अब इसी इवेंट से सोनू निगम का भी एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

पैर धोकर लिया आशा भोसले का आशीर्वाद

इस वीडियो में देखा जा सकता है कि सोनू निगम ने सबसे पहले आशा भोसले के पैरों को चूमा और फिर उन्हें पानी से धोते हुए नजर आए। इसके बाद उन्होंने सिर झुका कर गायिका का आशीर्वाद भी लिया। उनका यह वीडियो कुछ यूजर्स को काफी पसंद आ रहा है और कुछ ने इसे लेकर उन्हें ट्रोल कर दिया है।

लोगों ने वीडियो पर दिया अपना रिएक्शन

लोगों ने अब सोनू निगम के इस वीडियो पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया भी दी है। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि यह बहुत खूबसूरत है। यह पूरी तरह से भारतीय है। ऐसी ही चीजें हैं, जो हमें भारतीय होने पर गर्व महसूस कराती हैं। दूसरे ने लिखा कि दिल जीत लिया। वहीं, कुछ ने उन्हें नौटंकीबाज भी बताया। एक शख्स ने लिखा।

मौत से पहले माइकल जैक्सन पर था 3700 करोड़ से ज्यादा का कर्ज, 15 साल बाद चौंकाने वाला दावा

नई दिल्ली। पॉप सिंगर माइकल जैक्सन अपने डांस और आवाज के लिए जाने जाते थे। उन्होंने दुनियाभर में नाम कमाया और अपनी एक अलग पहचान हासिल की। मगर 2009 में उनके अचानक निधन ने हर किसी को दंग कर दिया। आज भी उनके निधन की गुत्थी नहीं सुलझ पाई है। इस बीच एक ताजा रिपोर्ट में उनके भारी कर्ज में डूबने की बात सामने आई है। स्मूद क्रिमिनल, बिली जीन, बीट इट, रॉक विद यू जैसे सॉन्ग्स के लिए मशहूर माइकल जैक्सन अपनी लग्जरी लाइफ स्टाइल को लेकर हमेशा चर्चा में रहे हैं। मगर क्या आपको पता है कि मौत से पहले सिंगर 500 मिलियन डॉलर यानी 3700 करोड़ से ज्यादा कर्ज में डूबे हुए थे? चलिए आपको इस बारे में बताते हैं।

कर्ज में डूबे थे माइकल जैक्सन

एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, दिवंगत अमेरिकन सिंगर की प्रॉपर्टी के एग्जीक्यूटर्स ने हाल ही में लॉस एंजिल्स काउंटी सुपीरियर कोर्ट में एक याचिका दायर की जिसमें उन्होंने दावा किया कि पॉप स्टार पर 500 मिलियन डॉलर (लगभग 3700 करोड़ रुपये) से अधिक का कर्ज है।

याचिका में कहा गया है, माइकल जैक्सन की मृत्यु के समय उनकी सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति 500 ? मिलियन डॉलर से अधिक के कर्ज और लेनदारों के दावों के अधीन थी, जिनमें से कुछ कर्ज पर ज्यादा उच्च ब्याज दरें थीं और कुछ कर्ज डिफॉल्ट थे।

क्या परिवार को नहीं मिल रहा फंड?

कुछ समय पहले एक रिपोर्ट सामने आई थी कि माइकल जैक्सन के ट्रस्ट से उनके तीन बच्चों पेरिस, प्रिंस, बिगी और उनकी मां कैथरीन को फंड नहीं मिल रहा है। हालांकि, बाद में परिवार ने एक स्टेटमेंट जारी कर साफ किया था कि उन्हें अभी भी फंड मिल रहा है

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 70664886

7 जुलाई को भव्य जगन्नाथ रथयात्रा नीमच में

नीमच। जगन्नाथ के भात को जगत पसारे हाथ....। आप ओडीसा के जगन्नाथपुरी नहीं जा सकते हैं तो नीमच आएं। 7 जुलाई रविवार को षहर के तिलक मार्ग स्थित श्रीराम मंदिर से रथ पर सवार होकर जगत के पालनहार दीनदयाल भगवान जगन्नाथ स्वामी अपने बडे भाई बलदाउ और बहन सुभद्रा के साथ नगर भ्रमण पर निकलेंगे। उक्त जानकारी देते हुए श्री जगन्नाथजी रथयात्रा समिति के समिति संयोजक राजेंद्र गर्ग पप्पी सर, संरक्षक शिवनारायण गर्ग, ओपी मंत्री, सुरेशचंद्र अजमेरा, संतोष चौपड़ा, ओमप्रकाश बंसल स्वतंत्र, मनोहर अर्जनानी, कन्हैयालाल शर्मा, प्रकाशचंद्र गर्ग जेवी, राजेष जायसवाल पराग, मुरली मंडोवरा, शैलेश जोशी, नवीन गट्टानी, गणेश खंडेलवाल एवं अर्जुन जायसवाल ने संयुक्त रूप से बताया कि संतों की अगुवाई में 7 जुलाई 2024 रविवार को सायं 5 बजे रथयात्रा प्रारंभ होगी जो जाजू बिल्डिंग, तिलक मार्ग, गोपाल मंदिर, श्रीराम चौक (घण्टाघर) होती हुई अग्रवाल समाज के नृसिंह मंदिर पर मौसी के घर में कुछ देर जलपान कर बारादरी चौराहा, फव्वारा चौक, सब्जी मंडी चौराहा, कमल चौक, भारत माता चौक, पुस्तक बाजार होते हुए अग्रसेन वाटिका पर आरती के बाद विसर्जित होगी। आरती के बाद प्रसाद वितरण होगा। संयोजक राजेंद्र गर्ग पप्पी सर ने बताया कि मायापुर का सुंदरबनी के कारीगरों द्वारा पोशाक बनाने के बाद पहली बार सतरंगी सिर्फ वृंदावन से मंगवाया गया है। नए रथ पर सवार होकर भगवान जगन्नाथ जी दिव्य दर्शन के लिए निकलेंगे। रथ यात्रा में आकर्षण का केंद्र नए रथ पर आरूढ भगवान श्रीकृष्ण, बलदेवजी एवं सुभद्राजी की आकर्षक प्रतिमा, बैंड-बाजे, ढोल के साथ रथ को श्रद्धालु भक्तों द्वारा रस्सी से खींचा जावेगा। रथ पर फूलों का श्रृंगार, विद्युतचलित झांकियां, कच्ची घोड़ी, उज्जैन के ताशा शिवपुराण, डीकेन की भजन संध्या, राधा कृष्ण, नरसिंह अवतार की झांकियां आदि भी प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहेगी। रथयात्रा को अभूतपूर्व सफल बनाने के लिए निरंतर बैठकें कर तैयारियों की समीक्षा की जा रही है तथा पदाधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। यात्रा का भ्रमण रूट पूर्व की भांति ही रहेगा। यात्रा को भव्यता प्रदान करने के लिए नगर के सभी सामाजिक संगठनों का सहयोग लिया जायेगा। यात्रा में सनातन सर्वधर्म समाज की सहभागिता रहेगी। ज्ञातव्य है कि 12 वर्षों से निरंतर रथयात्रा का आयोजन हो रहा है, जिसमें 19 समाजों की सहभागिता है तथा 400 सक्रिय सदस्य सहयोग प्रदान करते हैं 400 अन्य सदस्य भी अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगी बनते हैं। रथ यात्रा में अग्रवाल, माहेश्वरी, खण्डेलवाल, सकल ब्राह्मण, पोरवाल, पूज्य सिंधी पंचायत, पंजाबी, पाटीदार, जायसवाल, सिख, फुलमाली सैनी, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, पाटीदार, साहू तेली, सेन, आर्य, यादव, राजपूत, जाटव, घाणावार तेली, माली, चौरसिया, धाकड़, गुर्जर, आंजना, प्रजापति, रजक धोबी समाज सहित षहर के समस्त धार्मिक अनुषांगिक संगठन एवं समस्त सनातन धर्म सर्वजन सर्व समाज जन के सहयोग से निकाली जाएगी। सभी भक्तों से सामूहिक आह्वान किया गया कि धार्मिक यात्रा में सहभागी बने और सामाजिक एकता प्रेम सद्भाव प्रदर्शित कर अभूतपूर्व सफल बनाएं।

रोटरी डायमंड क्लब द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर संपन्न

नीमच। रोटरी क्लब ऑफ नीमच डायमंड के नवीन सत्र 2024-25 के प्रथम दिवस दिनांक 1 जुलाई को आयोजित रक्तदान शिविर जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में संपन्न हुआ । इस अवसर पर क्लब के कई सदस्यों ने रक्तदान करके रक्तदान शिविर में सहभागिता की, साथ ही शहर के गणमान्य नागरिकों एवं महिलाओं ने भी रक्तदान शिविर में रक्तदान किया । क्लब के अध्यक्ष रोटे. कमल मंगल, सचिव रोटे. संजय सोनी एवं कोषाध्यक्ष रोटे. आशीष गर्ग (गगन) ने बताया कि पीड़ित मानवता की सेवा में समाज सेवा में अग्रणी रहते हुए रोटरी क्लब ऑफ नीमच डायमंड द्वारा 35 यूनिट रक्तदान किया गया। शिविर में पूर्व अध्यक्ष हेमंत भंडारी, दीपक मुंदड़ा, आशीष गर्ग (बामनबर्डी) कमल आंजना, दीपक ऐरन, सौरभ शर्मा, नरेंद्र बैरागी, सुमित मित्तल, अजीत कोठीफोडा, धीरज गांधी, अतुल ऐरन, सुनील सोनी, गौरव पोरवाल, पवन खंडेलवाल, प्रमोद शर्मा, पंकज मुंदरा, संदीप दरक, गुणवंत जैन, गोपाल शर्मा, दिलीप जोशी, कृष्णा शर्मा, करणवीर सिंह, राजकुमार सैनी, पीयूष धनोतिया, विश्वास मंडवारिया, मनोज अग्रवाल आदि सदस्य उपस्थित थे । उपरोक्त जानकारी क्लब के प्रवक्ता रोटे. धीरज गांधी ने दी!

SAVE WATER
SAVE TREE

सीएम के आदेश पर प्रदेश की आरटीओ चेक पोस्ट को किया गया बंद, कलेक्टर एसपी ने किया निरीक्षण

नीमच। कलेक्टर एवं एसपी ने नयागांव पहुंचकर गत रात्रि से बंद नयागांव परिवहन जांच चौकी का आकस्मिक निरीक्षण किया और मुख्य मार्ग से परिवहन जांच बैरियर की तरफ आने और जाने वाले मार्गो के दोनों और खाई खुदवा कर बंद करने और परिवहन जांच चौकी बंद है इस संबंध में फ्लेक्स विभिन्न स्थानों पर लगवाने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने एक राजस्व अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी को तैनात कर वाहनों का बगैर रोक-टोक के आवागमन सुनिश्चित करने के दिए निर्देश।जिले के नयागांव बैरियल सहित मध्य प्रदेश के अन्य जिलों में चल रही लूट की दुकान अब बंद हो गई है लोकसभा चुनाव के बाद प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की अंतर्राज्यीय सीमाओं पर परिवहन जांच चौकियां (आरटीओ चेक पोस्ट) को आज एक जुलाई से बंद कर दिया है। नई व्यवस्था के तहत रोड सेफ्टी एंड इंफोर्समेंट चेकिंग प्वाइंट बनाए जाएंगे। पहले चरण में 45 चेक पाइंट बनाए जाएंगे। इनके तैयार होने तक मोबाइल यूनिट गठित कर वाहनों की जांच की जाएगी। सरकार ने रविवार को इसका आदेश जारी कर दिया है।बता दें कि प्रदेश में संचालित आरटीओ चेक पोस्ट पर लगातार गड़बड़ी की शिकायतें मिल रही थी। जिसके बाद सरकार ने इन्हें बंद कर दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश के बाद रविवार को परिवहन विभाग ने इसके आदेश जारी किए हैं। उधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी जिलों के कलेक्टरों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस नई व्यवस्था की जानकारी देकर इसका पालन कराने के लिए कहा है। मध्यप्रदेश में दूसरे राज्यों की सीमाओं से सटे क्षेत्रों में संचालित परिवहन चेक पोस्ट की जगह 45 रोड सेफ्टी एवं इंफोर्समेंट चेकिंग पॉइंट और 94 रोड सेफ्टी एंड इंफोर्समेंट मोबाइल यूनिट के लिए 211 होमगार्ड्स के जवानों की जिलेवार प्रतिनियुक्ति की गई है। होमगार्ड जवान रोटेशन में अपनी ड्यूटी करेंगे। प्रदेश में गुजरात राज्य में लागू पैटर्न के अनुसार कार्य किया जाएगा।सीएम डॉ.मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश भर के अधिकारी-कर्मचारियों से कहा कि सुशासन के अंतर्गत कई काम किए जा रहे हैं। इस नाते परिवहन क्षेत्र में मध्यप्रदेश में कुछ बदलाव किए गए हैं। चेक पोस्ट संबंधी नई व्यवस्था लागू की जा रही है। एक जुलाई से परिवहन चेक पोस्ट जो अन्य प्रांतों की सीमा हैं वहां संबंधित जिला प्रशासन के साथ तालमेल कर वर्तमान में हो रही अव्यवस्थाओं को दूर करने और पारदर्शी व्यवस्था लागू करने का कदम उठाया गया है।परिवहन व्यवस्था के संबंध में शिकायतें मिलने पर राज्य शासन सख्त कार्रवाई करेगा।

नई व्यवस्था से ट्रकों और अन्य भारी वाहनों के संचालकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। शिकायतों को दूर कर साफ सुथरे ढंग से परिवहन विभाग के मूल कार्य को बेहतर ढंग से संचालित करने के इंतजाम किए गए हैं। सीमावर्ती जिलों में नई व्यवस्था में उड़न दस्ते कार्य करेंगे। बाहरी वाहनों के संचालकों को कोई समस्या नहीं आएगी।

खेत विवाद को लेकर मारपीट के मामले में आरोपियों की गिफ्तारी की मांग

पीड़ित पक्ष समाज जनों के साथ पहुचा एसपी कार्यालय सोपा ज्ञापन

नीमच। जिले के ग्राम उमाहेड़ा में बीते कल रविवार को खेत विवाद को लेकर एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के व्यक्ति के साथ जमकर मारपीट की और उसे गंभीर घायल कर दिया मामले में पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में आरोपियों के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध किया है परंतु अब तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है।और अब वे रिपोर्ट उठाने की बात को लेकर धमकियां दे रहे हैं आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सोमवार को पीड़ित परिजन सामज जनों के साथ एसपी कार्यालय पहुचे जहा उन्होंने एक ज्ञापन सोपा है दिए गए ज्ञापन में पीड़ित पक्ष नरेन्द्र पिता मदनलाल मेघवाल निवासी ग्राम उमाहेडा ने बताया कि हमारे परिवार का बग्दीराम के परिवार से खेत विवाद चल रहा है दिनांक 30.06.2024 को शाम 6 बजे के करीब मेरी पत्नि किरण व मेरे पिता मदनलाल मेघवाल खेत पर चरी काटने गये थे वहां पर बगदीराम पिता अमरचन्द मेघवाल, भगवान पिता अमरचन्द, मनोहर पिता भगवान, गुडडी बाई पति बग्दीराम मेघवाल सभी अपने हाथों में लकडी व लोहे का सरिया लेकर आये और बोले की तुम यहा पर चरी क्यों काट रहे हो और इसके हमे एक लाख रूपये दो जिस पर पिता व मेरी पत्नि ने बोला की किस बात के पैसे खेत तो हमारा है। ये लोग हम से अवैध वसूली करना चाह रहे थे पैसे देने से मना करने पर भगवान लाल ने मेरे पिता को लोहे के सरिये से व मनोहर ने लोहे के पाईप से तथा गुड्डी बाई ने लकडी से मारपीट की जिससे पिता के सिर व शरीर पर चोटें आई, पिता के शोर मचाने पर मेरी पत्नि किरण ने जाकर बीच बचाव किया तो बग्दीराम की लडकी पुजा ने मेरी पत्नि के साथ लात घुसों से मारपीट की जिससे मेरी पत्नि को पेठ में अन्दरूनी चोटे आई है थोडी देर बाद बग्दीराम व उसका लडका मनीष भी आ गया खेत में पड़े पत्थर फेककर मारने लगा तथा मेरी पत्नि व मेरे पिता को बग्दीराम व मनीष ने नंगी नंगी गालीया दी जो सुनने में बुरी लगा रही थी।

जिसके बाद मेरी पत्नि व मेरे पिता अपने बचाव करने के लिए घर की तरफ भागे तो इन सभी लोगों उनका रास्ता रोक लिया व घर की तरफ नही जान दिया उक्त घटना देखकर पडोस के खेत में काम कर रहे चन्द्रपाल पिता मोहनसिंह राजपुत, मांगु सिंह पिता गोविन्द सिंह राजपुत,बलवंत सिह पिता ज्ञानसिंह राजपुत, नारायण सिंह पिता गोविन्द सिंह राजपुत, व मेरा भाई सुरेंद्र कुमार पिता श्यामलाल मेघवाल ने बीच बचाव किया तो भगवान लाल, मनीष, मनोहर, बग्दीराम, व ओमप्रकाश पिता मांगीलाल मेघवाल निवासी-आमलीखेडा ने बोला की आज तो बच गये बिना पैसे दिये चरी काटी तो जान से खत्म कर देंगे बाद मेरे भाई सुरेन्द्र ने 100 नम्बर लगाया तो उक्त लोग वहां से भाग गये थे पुलिस की गाडी आने के बाद मेरे पिता को अस्पताल ईलाज के लिये भर्ती करवाया।

उक्त रिर्पोट करने के बाद से ही मेरे पिता को जिला अस्पताल नीमच में भर्ती करवा रखा है तथा मेरे पिता मदनलाल को गंभीर चोटे आई है उन पर जानलेवा हमला किया गया है तथा जान से मारने की कोशिश कि गई व मेरे पिता के पास से 70,000/- रूपये व मोबाईल पर्स व पर्स में रखे सभी असल दस्तावेज भी आरोपी लेकर चले गये।ओर आज दिनांक - 01.07.2024 को सुबह करीब 10 बजे में गांव उमाहेडा से बाहर जा रहा था तभी बग्दीराम, ओमप्रकाश, गुड्डीबाई और दिनेश पिता भरतलाल नायक आये और मेरे साथ गाली गलौच कर बोले की तेरा पिता तो बच गया है तु नही बचेगा तुझे जान से खत्म कर देंगे।

ज्ञापन में बताया कि उक्त रिर्पोट के बाद भी आज दिनांक तक आरोपीगणों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई तथा आरोपीगणों को गिरफ्तार नही किया गया है आरोपीगण खुले आम घुम रहे है तथा मुझे व मेरे परिवारजन को डरा धमका रहे है व हमारे साथ किसी भी बडी घटना को अंजाम दे सकते है ज्ञापन में मांग की गई है कि उक्त रिर्पोट पर को संज्ञान लिया जाकर आरोपीगण के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही कि जावें ।

संभागायुक्त उज्जैन श्री संजय गुप्ता ने किया नीमच में तहसील कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण

नीमच। संभागायुक्त उज्जैन राजस्व संभाग उज्जैन श्री संजय गुप्ता ने सोमवार को नीमच जिले के भ्रमण के दौरान संयुक्त तहसील तहसील कार्यालय नीमच का आकस्मिक निरीक्षण कर राजस्व प्रकरणों के निराकरण की जानकारी ली। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। संभाग आयुक्त श्री संजय गुप्ता सोमवार की शाम को नीमच पहुंचे और नीमच की तहसील कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने नवनिर्मित तहसील कार्यालय भवन, एसडीएम कार्यालय भवन, राजस्व अधिकारियों के न्यायालय कक्षों का अवलोकन किया और उपस्थित स्टाफ से चर्चा कर, उनके द्वारा संपादित कार्यों की जानकारी ली। इस मौके पर कलेक्टर श्री दिनेश जैन, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद, डिप्टी कमिश्नर उज्जैन श्री रंजीत कुमार, एसडीएम डॉ. ममता खेड़े, अन्य डिप्टी कलेक्टर एवं अधिकारीगण उपस्थित थे। संभाग आयुक्त श्री गुप्ता ने नीमच में नवनिर्मित संयुक्त तहसील कार्यालय भवन में संचालित एसडीएम कार्यालय एवं सभी तहसीलदारों के न्यायालयों के एक ही परिसर में संचालित होने की सराहना करते हुए कहा, कि यह भवन राजस्व विभाग के साथ ही आमजनों के लिए भी काफी सुविधाजनक है। संभाग आयुक्त श्री गुप्ता ने संयुक्त तहसील कार्यालय भवन एवं परिसर के समुचित रखरखाव की भी प्रशंसा की। संभागायुक्त श्री गुप्ता ने तहसील कार्यालय परिसर में पौधारोपण कर एक अच्छा गार्डन विकसित करने के निर्देश भी दिए।

नए आपराधिक अधिनियम को लेकर सिंगोली में जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

सिंगोली। देश में नवीन आपराधिक अधिनियम आज रात 12 बजे बाद से ही लागू हो गया है जिसे लेकर सिंगोली के पुलिस थाना परिसर में 1 जुलाई सोमवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में आईपीसी की विभिन्न धाराओं को अब नये एनबीएस में परिवर्तित धाराओं जिसमें नवीन भारतीय न्याय संहिता 2023,भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के बारे में विस्तार से बताया गया।इस अवसर पर तहसीलदार राजेश सोनी,थाना प्रभारी बीएल भाबर,नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन (भायाजी बगड़ा),उपाध्यक्ष मोतीलाल धाकड़,भाजपा जिला महामंत्री अशोक सोनी विक्रम मंचासीन थे।कार्यक्रम का संचालन राजेन्द जोशी ने व आभार थाना प्रभारी बीएल भाबर ने व्यक्त किया।

कलेक्टर एवं एस.पी.ने बंद नयागांव परिवहन जॉच चौकी का किया निरीक्षण – दिए आवश्यक निर्देश

बंद जांच चौकी पर आने जाने वाले मार्ग को तत्काल बंद करवाएं

नीमच। म.प्र.शासन व्दारा प्रदेश की अंर्तराज्यीय सीमाओं पर संचालित परिवहन जांच चौकियों का संचालन एक जुलाई से बंद कर दिया गया है। इसी के तहत नीमच जिले में राजस्थान सीमा पर स्थित नयागांव परिवहन जांच चौकी को भी बंद कर दिया गया है। कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं एसपी श्री अंकित जायसवाल ने सोमवार को सुबह अधिकारियों के साथ बंद परिवहन जांच चौकी नयागांव का आकस्मिक निरीक्षण कर जायजा लिया। कलेक्टर एवं एसपी ने निर्देश दिए कि बंद परिवहन जांच चौकी के आसपास कोई भी प्रायवेट व्यक्ति उपस्थित ना रहे। यदि कोई प्रायवेट व्यक्ति उपस्थित पाया जाता है, तो उसको तत्काल हटाये।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि एक-एक पुलिस एवं राजस्व अधिकारी को बंद परिवहन जांच चौकी पर तैनात करे और यह सुनिश्चित करें, कि वाहनों का बगैर रोक टोक के आवागमन सुनिश्चित हो। निरीक्षणके दौरान परिवहन जांच चौकी पूर्णत- बंद पाई गई । कलेक्टर एवं एसपी ने परिवहन जांच चौकी तक आने जाने वाले मार्ग को अवरूद्ध करने के लिए मुख्य मार्ग पर नाली खोद कर जांच चौकी की तरफ आने और जाने वाले मार्ग को पूरी तरह से तत्काल बंद करवाने के निर्देश दिए। साथ ही बड़े-बड़े अक्षरों में फ्लेक्स बनाकर नयागांव परिवहन जांच चौकी बंद है ऐसे फ्लेक्स मुख्य मार्ग पर बंद जॉच चौकी के दोनो ओर मुख्य मार्गो पर लगवाने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर एवं एसपी ने आरटीओ से चर्चा कर नये स्टाफ की उपलब्धता, होमगार्ड की आमद एवं रोड सेफ्टी एण्ड इन्फोर्समेंट चेकिंग पाईंट की व्यवस्था की जानकारी भी ली। कलेक्टर श्री जैन एवं एसपी श्री जायसवाल ने आरटीओ को निर्देश दिए कि नवीन रोड सेफ्टी एण्ड इन्फोर्समेंट चेकिंग पाईंट व्यवस्था से आमजनों और वाहन चालकों को कोई असुविधा ना हो, इसका विशेष ध्यान रखें। इस मौके पर एडीएम डॉ.राजेश शाह, एसडीओपी सुश्री नीलेश्वरी डाबर, आरटीओ श्री नंदलाल गामड, सहायक संचालक जनसंपर्क श्री जगदीश मालवीय एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नपा व विद्युत विभाग की अनदेखी से बीते 5 दिनों से बंद पड़ी है स्ट्रीट लाईटें

नीमच। नगरपालिका व विद्युत विभाग की घोर अनदेखी के चलते वार्ड नं. 08 के अंतर्गत आने वाले क्लासिक क्राउन कॉलोनी, गणपति नगर क्षेत्र की स्ट्रीट लाईटें बीते 5 दिनों से बंद पड़ी है। हालात ये हो रहे है कि क्षेत्र में घना अंधेरा छाया हुआ है। जानकारी के बाद भी नगरपालिका व विद्युत विभाग के जिम्मेदारों की कुंभकर्ण नींद नही खुल रही है। रहवासियों में गहन आक्रोश पनप रहा है।

गणपति नगर गैस गोदाम क्षेत्र, क्लासिक क्राउन कॉलोनी, शगुन रेसीडेंसी क्षेत्र में स्ट्रीट लाईटें बंद विगत 5 दिनों से बंद पड़ी रहने से इस बारिश के मौसम में रहवासियों को रात्रि के समय बाहर निकलना दुभर हो गया है। जहरीले जानवरों का डर सता रहा है वहीं पहले से ही रात्रि में चोर उठाई गिरों की आवाजाही से दहशत व्याप्त है ऐसे में क्षेत्र में घना अंधेरा रहने से चोर उठाईगिरों का डर भी बना रहता है। शीघ्र ही जिम्मेदारों को स्ट्रीट लाईटें प्रारंभ कर रहवासियों का राहत प्रदान करे।

3 नए कानून लागू होने पर जिले के थानों पर पुलिस अधिकारियों ने ली प्रबुद्धजनों की बैठक, नए कानून की धाराओं के बारे में दी जानकारी

नीमच। देशभर में रात 12 बजे से तीन नए आपराधिक कानून लागू हो गए हैं.51 साल पुराने सीआरपीसी के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता ने ले ली है.भारतीय दंड संहिता की जगह भारतीय न्याय अधिनियम (बीएनएस) ने ली है.और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बी एस ए) के प्रावधान लागू हों गए हैं।जिसको लेकर सोमवार को पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देश पर नीमच जिले के सभी थाना परिसरों में प्रबुद्ध नागरिकों की बैठक ली गई है जहां पुलिस अधिकारियों ने लागू हुए तीनों नए कानून के बारे में और उनकी धाराओं के बारे में नागरिकों को जानकारी प्रदान की है शहर के कैंट थाने पर एसपी अंकित जायसवाल कैंट थाना प्रभारी सौरभ शर्मा व अन्य पुलिस अधिकारियों ने प्रबुद्ध नागरिकों की बैठक लेकर कानून के बारे में जानकारी दी और उनसे सुझाव भी प्राप्त कीए। बता दें तीन नए आपराधिक कानून एक जुलाई से देशभर में लागू हो गए हैं, जिससे भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक बदलाव आ गया और औपनिवेशिक काल के कानूनों का अंत हो गया भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ब्रिटिश काल के क्रमश- भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान ले लिया है.नए कानूनों के लागू होने के बाद से आपराधिक मामलों में सुनवाई समाप्त होने के 45 दिनों के भीतर फैसला सामने आएगा.इसमें पहली सुनवाई के 60 दिनों के भीतर आरोप तय किए जाएंगे.किसी भी मामले में 3 साल में न्याय दिलाने का उद्देश्य है.नाबालिग से रेप के दोषी को उम्रकैद या फांसी की सजा होगी. गैंगरेप के दोषी को 20 साल तक की सजा या जिंदा रहने तक जेल की सजा होने का प्रावधान है. इस नए कानून के तहत राजद्रोह अब देशद्रोह माना जाएगा.जो पहले हत्या की धारा 302 थी जो अब 101 होगी. ट्रायल के मामले में किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करने पर पुलिस को उसके परिवार को जानकारी देनी होगी, पहले यह जरूरी नहीं होता था. किसी भी मामले में 90 दिनों में क्या हुआ, इसकी जानकारी पुलिस को पीड़ितों को देनी होगी.आरोपी अगर 90 दिनों के भीतर कोर्ट के सामने पेश नहीं होता है तो उसकी गैरमौजूदगी में भी ट्रायल होगा.आरोपी और पीड़ित दोनों को 14 दिनों के भीतर एफआईआर, पुलिस रिपोर्ट,चार्जशीट की कॉपी पाने का अधिकार है.केस खत्म होने के बाद जज को 43 दिन के अंदर फैसला देना होगा. फैसले के 7 दिन के अंदर सजा सुनानी होगी. कानून में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर एक नया अध्याय जोड़ा गया है. इसमें बच्चे को खरीदना या बेचना एक जघन्य अपराध माना गया है. इसके लिए कड़ी सजा का प्रावधान है जैसी कई धाराओं में बदलाव हुवा है जिसकी जानकारी अधिकारियों ने दी है।

कलेक्टोरेट में सामुहिक राष्ट्रगॉन म.प्र.गॉन एवं वन्दे मातरम का गायन हुआ

नीमच। जिला कलेक्टर कार्यालय नीमच में सामुहिक राष्ट्रगॉन एवं वंदेमातरम के गायन से कार्यो की शुरूआत हुई। राष्ट्रगॉन एवं वन-?देमातरम का गायन कलेक?टर श्री दिनेश जैन, सीईओ श्री गुरूप्रसाद, एसपी श्री अंकित जायसवाल, की उपस्थिति में हुआ । इस मौके पर संयुक्त कलेक्टर सुश्री प्रीति संघवी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना, श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव एवं कलेक्ट्रेट भवन स्थित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सामुहिक रूप से राष्ट्रगॉन एवं वंदे मातरम एवं म.प्र.गॉन का गायन किया। तदपश्चात शासकीय कार्यो की शुरूआत की गई। कलेक्टोरेट, राजस्व, भू-अभिलेख, श्रम, आदिम जाति कल्याण, आबकारी, खनिज, शिक्षा, कोषालय, पुलिस विभाग,जनसम्पर्क, शहरी विकास अभिकरण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

जनपद मनासा की सेल्फी पाईट पुस्तिका का विमोचन

नीमच। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने कलेक्टोरेट में आयोजित समारोह में सोमवार को जनपद पंचायत मनासा व्दारा तैयार करवाई गई ग्राम पंचायतों में सेल्फी पाईट पर आधारित पुस्तिका का विमोचन भी किया। इस मौके पर एसपी श्री अंकित जायसवाल, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, जनपद सीईओ श्री अरविंद डामोर भी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री जैन ने बेस्ट एम्पलाई ऑफ दी मंथ पुरस्कार से 12 अधिकारी-कर्मचारी को किया सम्मानित

नीमच। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने अधिकारी-कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए बेस्ट एम्पलाई ऑफ दी मंथ पुरस्कार के तहत माह जून-2024 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के 12 अधिकारी-कर्मचारियों को बेस्ट एम्पलाई ऑफ दी मंथ पुरस्कार से सम्मानित किया। कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं एसपी श्री अंकित जायसवाल ने कलेक्टोरेट में आयोजित कार्यक्रम में 12 अधिकारी-कर्मचारियों को बेस्ट एम्पलाई ऑफ दी मंथ के पुरस्कार वितरित किए गए। समारोह में जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, श्री सुदीप डोरिया सिटी मिशन मैनेजर श्री गोपाल परमार सहायक ग्रेड -3,श्री अजय सिंह पवांर, श्री हिरेन्द्र सिंह राठौड, श्री देवप्रकाश ग्रेड-2, श्री हुकुमचन्द कुमावात जिला प्रबंधक आजीविका मिशन, श्री प्रकाश पालिया सहायक प्रबंधक आजीविका मिशन जिला पंचायत नीमच , श्री राजेन्द्र कुमार चौहान, प्रबंधक आजीविका मिशन , श्रीमती सीमा तिवारी प्रा.शि.एकीकृत शा.मा.वि.बमोरा, श्रीमती सावित्रि बाई भृत्य मत्स्योंद्योग नीमच, श्री के.एल.सूर्यवंशी सीएमओं रामपुरा को सम्मानित किया गया ।

इस मौके पर संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रीति संघवी, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, सुश्री किरण आजना, , श्री चन्द्रसिंह धार्वे, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला-23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।